शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 275 | गुवाहाटी | सोमवार, 6 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिन्दुत्व, तुष्टिकरण और आरक्षण के मुद्दे पर पीएम मोदी का विपक्ष पर फूटा गुस्सा पेज 2
महानगर में भाजयुमो की विशाल बाईक रैली पेज 3
सपा-बसपा के लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए लड़ रहे चुनाव : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेज 5
मैक्कुलम ने न्यूजीलैंड के क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया, टेस्ट क्रिकेट को ... पेज 7

तीसरे चरण का प्रचार थमा, कल वोटिंग

नई दिल्ली /गुवाहाटी। चुनावी महापर्व के तीसरे चरण में रविवार को 92 सीटों पर चुनाव प्रचार समाप्त हो गया है। तीसरे चरण में 12 राज्यों की 92 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10 सीटें, बिहार की पांच सीटें, मध्य प्रदेश की आठ सीटों, पश्चिम बंगाल की चार सीटों, महाराष्ट्र में 11 सीटों, कर्नाटक में 14 सीटों, गुजरात की 26 सीटों, छत्तीसगढ़ की 7 सीटों पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए प्रचार रविवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। इस चरण में 10 सीट पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश की संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली संसदीय सीट पर सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। इस चरण में 100 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 1.88 करोड़ मतदाता करेंगे। इनमें एक करोड़ से अधिक पुरुष मतदाता और 87 लाख से अधिक महिला मतदाता शामिल हैं। तीसरे चरण में केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल (आगरा), उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह (मैनपुरी) और राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि (हाथरस) की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। लोकसभा चुनाव का यह चरण समाजवादी पार्टी (सपा) के यादव परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी लोकसभा सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने के लिए प्रयास कर रही हैं, जिसे उन्होंने अपने ससुर और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में जीता था। सपा के मुख्य राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव फिरोजाबाद सीट से फिर से मैदान में हैं। इस सीट से उन्होंने 2014 में चुनाव जीता था। आदित्य यादव सपा का गढ़ मानी जाने बदायूं लोकसभा सीट से अपने चुनावी करियर की शुरुआत कर रहे हैं। 2014 में बदायूं सीट पर आदित्य के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव ने जीत हासिल की थी। तीसरे चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता रहे कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह एटा से हैट्रिक बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। बरेली में मुख्य मुकाबला भाजपा के छत्रपाल सिंह गंगवार और सपा के प्रवीण सिंह ऐरन के बीच है। इस सीट पर बसपा उम्मीदवार मास्टर छोटे लाल गंगवार का नामांकन पत्र खारिज हो गया है। तीसरे चरण में जिन 10 लोकसभा सीट पर मतदान हो रहा है, उनमें से भाजपा ने इस बार पांच नए चेहरों को टिकट दिया है जिनमें बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार (संतोष गंगवार की जगह), बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य (संघमित्रा मौर्य की जगह), हाथरस से अनूप प्रधान वाल्मीकि (राजवीर सिंह दिलेर की जगह), फिरोजाबाद से विश्वदीप सिंह (चंद्रसेन जादौन की जगह) और मैनपुरी लोकसभा सीट से -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भी चुनाव प्रचार समाप्त

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में 7 मई को होने जा रहे लोकसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के मतदान के लिए रविवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों ने आज चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत लगा दी। राजधानी गुवाहाटी समेत सभी चार लोकसभा क्षेत्रों में जमकर चुनाव प्रचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राजधानी गुवाहाटी तथा शुवालकुची में बाइक रैली तथा रोड शो कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं, राज्य सरकार के कई मंत्री तथा भाजपा के नेता अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियां में भाग लेते हुए देखे गए। विपक्षी गठबंधन द्वारा धुबड़ी लोकसभा सीट के मानकाचर में एक विशाल चुनावी रैली आयोजित की गई। जबकि, धुबड़ी के मुस्लिम बहुल इलाके में निवर्तमान सांसद तथा एआईयूडीएफ के प्रत्याशी मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित किया। सभी दलों के नेता एक दूसरे दलों पर आरोप प्रत्यारोप में लगाते रहे। इधर, चुनाव आयोग द्वारा राज्य की कुल 14 लोकसभा सीटों में से अंतिम चरण के मतदान के लिए चार लोकसभा सीटों पर तैयारियां पूरी कर ली गई। ज्ञात हो कि तीसरे और अंतिम चरण में असम के गुवाहाटी, बरपेटा, कोकराझाड़ तथा धुबड़ी सीटों पर मतदान होना है। मतदान केंद्रों पर व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई हैं। राज्य के संवेदनशील तथा अति संवेदनशील मतदान केंद्र पर सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई है।

प्रचार के आखिरी दिन खराब मौसम का असर पड़ा

गुवाहाटी। असम में रविवार को तीसरे चरण के मतदान के लिए राजनीतिक दलों के प्रचार का आखिरी दिन खराब मौसम के कारण प्रभावित हुआ। राज्य की चार लोकसभा सीटों गुवाहाटी, धुबड़ी, कोकराझाड़ और बरपेटा में मंगलवार को मतदान होगा। असम के कई हिस्सों में रविवार को बारिश और तेज हवाएं चलीं। गुवाहाटी मौसम कार्यालय के अनुसार, रविवार से शुरू होने वाले पांच दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, बिजली चमकने के साथ आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को धुबड़ी सीट के मनकाचर में एक -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : भारी उत्साह के बीच सीएम ने किया अभियान का समापन

गुवाहाटी। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव 2024 आगे बढ़ रहा है, असम में प्रचार अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने की, जो 7 मई को होने वाले महत्वपूर्ण तीसरे चरण के लिए तैयार हो रहे हैं। उत्साह और आशावाद के साथ शर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रैली की। राज्य के निर्वाचन क्षेत्र चिलचिलाती गर्मी और लगातार बारिश का सामना कर रहे हैं। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर एक स्वीकृति में, शर्मा ने प्रत्येक कार्यकर्ता के अथक प्रयासों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया, जिनकी प्रतिबद्धता उनके -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा गठबंधन के समर्थन में बराक ब्रह्मपुत्र, पहाड़-मैदान एक : सोनोवाल

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में एक बड़ा अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि मोदी लहर ने हाल के वर्षों में असम को पुनर्जीवित कर दिया है और असम और पूर्वोत्तर का विकास एक नए शिखर पर पहुंच गया है। सर्वानंद सोनोवाल की ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, कार्यकुशलता और स्वच्छ छवि की छवि ने इस बार भी असम में भाजपा के अभियान को गति दी। 2024 लोकसभा चुनाव देश की 10वीं लोकसभा चुनाव 2024 लोकसभा चुनाव देश की 10वीं लोकसभा चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि विकास के पुनर्जागरण को आगे बढ़ाने के लिए जनता फणीभूषण चौधरी को भारी मतों से चुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके पर बलपूर्वक कब्जा करने की जरूरत नहीं...

यहां के लोग स्वयं चाहेंगे भारत में शामिल होना : रक्षामंत्री

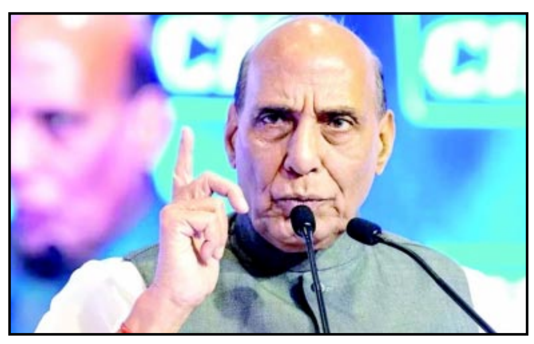

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर कहा कि भारत अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा, लेकिन इसे बलपूर्वक अपने कब्जे में करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी क्योंकि यहां के लोग कश्मीर में विकास को देखने के बाद स्वयं इसमें शामिल होना चाहेंगे। राजनाथ सिंह ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्थिति में काफी सुधार हुआ है और एक समय ऐसा आएगा जब केंद्र शासित प्रदेश में अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है और वह उचित निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव भी जरूर होंगे, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं दी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारत को कुछ नहीं करना पड़ेगा। जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से जमीनी हालात बदले हैं, क्षेत्र में जिस तरह से आर्थिक प्रगति हो रही है और वहां जिस तरह से शांति लौटी है, मुझे लगता है कि पीओके के लोगों की ओर से यह मांग उठेगी कि उनका भारत में विलय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो अपने कर्तव्यों से बचते हैं, वे अपने आश्रितों परिजनों का भरण-पोषण नहीं कर पाते।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम-मेघालय सीमा पर उपद्रवियों ने जलाई पुलिस चौकी

गुवाहाटी। अज्ञात हमलावरों ने शनिवार रात असम-मेघालय सीमा पर स्थित पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में एक अस्थायी पुलिस गश्ती चौकी में आग लगा दी। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि जब चिरिलांगसो, तापत क्षेत्र में चौकी को निशाना बनाया गया तब कोई -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-पाक सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान ने की आत्महत्या

जैसलमेर (हि.स.)। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा की बबलीयानवाला पोस्ट पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने रविवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। तनोट थाना पुलिस ने बताया कि दोरांग, असम निवासी मुकंदा डेका (57) बीएसएफ में कॉन्स्टेबल के पद पर जैसलमेर से करीब 140 किलोमीटर दूर बबलीयानवाला पोस्ट पर तैनात थे। जवान ने सीमा चौकी में पेड़ से फंदा -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में दो अलग-अलग स्थानों से 16 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा के धलाई जिले के दो अलग-अलग स्थानों से 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इनके साथ तीन बच्चों को भी पकड़ा गया है। इन सभी के पास से बांग्लादेश सरकार का टिकट, कोविड टीकाकरण दस्तावेज और कुछ बांग्लादेशी मुद्रा जब्त की गई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर धलाई जिले के गंडाचेरा थाना पुलिस ने मास कुंभिरपारा से 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। यह सभी तीन साल पहले काम की तलाश में पश्चिम बंगाल के हकीमपुर -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव के चौथे चरण में 360 उम्मीदवारों के खिलाफ क्रिमिनल केस

नई दिल्ली। 18वीं लोक सभा चुनाव के चौथे चरण के चुनाव के दौरान आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सबसे ज्यादा उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं। इस चरण के लिए मैदान में उतरे 1717 प्रत्याशियों में से 360 (21 प्रतिशत) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि 274 (16 प्रतिशत) उम्मीदवार ऐसे हैं जिनके खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं। चुनाव के पहले चरण में 252 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले और 161 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे जबकि दुसरे चरण के लिए मैदान में उतरे 250 प्रत्याशियों में से 167 प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले थे जबकि 14 प्रतिशत प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इसी प्रकार तीसरे चरण में 244 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले और 172 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। एसोसिएशन आफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (डी.आर.) द्वारा उम्मीदवारों के हलफनामों के आधार -शेष पृष्ठ दो पर

आग बुझाने के दौरान बेहोश हुआ वन कर्मी, झुलसी चौथी श्रमिक की भी मौत

हल्द्वानी। उत्तराखंड के कुमाऊं में जंगलों की आग अब विकराल हो गई है। जंगलों में लगी आवासीय क्षेत्रों और शैक्षणिक संस्थानों के निकट तक पहुंचने लगी है। आग में जले पेड़ वाहनों के लिए खतरा बन गए है। बागेश्वर, कांडा और कपकोट, लोहाघाट के झूमाधुरी, गलचौड़ा, भवल्टा और बरदाखान के जंगलों में भीषण आग लगी हुई है। झूलाघाट क्षेत्र के कानड़ी, बलतड़ी, तड़ीगांव, गेठीगाड़ा, बनाड़ा, मजिरकांडा, भटेड़ी, अमतड़ी, रणवां और थल केदार के जंगलों में भीषण आग लगी हुई है। जंगलों -शेष पृष्ठ दो पर

सामने आया कोरोना का नया वेरिएंट एफएलआईआरटी

वैक्सीन लगवा चुके लोगों को भी संक्रमण का खतरा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के उस खौफनाक दौर को लोग आज भी भूल नहीं पाए हैं। भले ही कोरोना के मामले कम हो गए हैं लेकिन यह वायरस अभी भी हमारे बीच मौजूद है। इसके अलग-अलग स्ट्रेन हेल्थ एक्सपर्ट्स और लोगों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। इसी बीच अब कोरोना का और एक नया स्ट्रेन सामने आया है, जिसने फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में कोविड-19 के वेरिएंट का एक समूह चिंता का कारण बन गया है। कोरोना के इस नए वेरिएंट को वैज्ञानिकों ने *एफएलआईआरटी* नाम दिया है। यह नया वेरिएंट ओमिक्रोन फैमिली का माना जा रहा है। बता दें ओमिक्रोन कोरोना का वही स्ट्रेन है, जिसने दुनियाभर में सबसे ज्यादा तबाही मचाई थी। भारत में आई कोरोना की दूसरी लहर के पीछे भी ओमिक्रॉन ही जिम्मेदार था। हेल्थ एक्सपर्ट्स और वैज्ञानिकों के अनुसार, कोरोना का यह वेरिएंट फिलहाल अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैल रहा है। बढ़ते मामलों को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि यह वेरिएंट दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अपने पैर पसार -शेष पृष्ठ दो पर

चांद पर अनुमान से आठ गुना ज्यादा मिले बर्फ के सबूत

नई दिल्ली। चांद पर किए गए नए अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों को अनुमान से पांच से आठ गुना ज्यादा बर्फ के सबूत मिले हैं। यह चांद की सतह के एक से तीन मीटर नीचे मौजूद है। अध्ययन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से जुड़े वैज्ञानिकों ने किया है। इसमें आईआईटी कानपुर, दक्षिणी कैलिफोर्निया विवि, जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद से जुड़े शोधकर्ताओं के सहयोग से किया है। आईएसपीआरएस जर्नल ऑफ फोटोग्रामेट्री एंड रिमोट सेंसिंग में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, शोधकर्ताओं का कहना है कि बर्फ की गहराई के बारे में सटीक जानकारी मिलने से भविष्य में चांद पर भेजे जाने वाले मिशन की लैंडिंग के लिए सही स्थान तय करने में मदद मिलेगी। साथ ही नमूने इकट्ठा करने के चयन व चांद पर इन्सानों के बसने के सपने को सच करने में भी यह जानकारी मददगार साबित होगी। बर्फ की जांच के लिए वैज्ञानिकों ने कई उपकरणों की मदद ली, जिनमें चांद के टोही -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिन्दुत्व, तुष्टिकरण और आरक्षण के मुद्दे पर पीएम मोदी का विपक्ष पर फूटा गुस्सा

सीतापुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां कहा कि मैं गारंटी के साथ आपसे वादा करता हूँ कि अपने शरीर का कण-कण एवं क्षण-क्षण आपकी सेवा में लगाऊंगा। मेरा अपना कोई परिवार नहीं है, मेरा परिवार भी आप हैं और मेरे वारिस भी आप हैं। मेरा भारत मेरा परिवार है। जैसे परिवार का कोई मुखिया अपने वारिस के लिए दिन-रात काम करता है, वैसे ही आप मेरे वारिस हैं। मैं आपको कुछ देकर जाना चाहता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धौरहरा लोकसभा अंतर्गत हरगांव कस्बे में आयोजित चुनावी रैली में अपने आप को जनता से भावनात्मक रूप से जोड़ते कि अगले 5 वर्ष के लिए मैं आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। जनता ईश्वर का रूप होती है। ईश्वर तभी आशीर्वाद देते हैं जब आप कोई संकल्प लेकर प्रभु के चरणों में जाते हैं। पीएम मोदी ने जनता को यह बताने की कोशिश की कि क्षेत्र एवं देश का विकास करने में मोदी कहीं से भी पीछे नहीं हैं। लखीमपुर व सीतापुर की जनता की नब्ज टटोलते हुए उन्होंने इन दोनों जनपदों को यूपी में चीनी का कटोरा बताया। मोदी ने कहा कि सपा सरकार में गन्ना किसानों के जीवन में कड़वाहट घोल दी थी। योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने इन कमियों को दूर करने का प्रयास किया है। सपा, बसपा के समय गन्ना किसानों का बकाया चुका दिया गया है। योगी सरकार ने 7 वर्ष में उससे ज्यादा पैसा दिया है। उन्होंने कहा कि सीतापुर, लखीमपुर धौरहरा के किसानों को किसान सम्मान निधि का भरपूर लाभ मिला है। क्षेत्र में केले की खेती का हब बने सरकार इसका प्रयास कर रही है। कांग्रेस पर हमलावर होते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 के पहले 10 वर्ष आपने कांग्रेस का शासन देखा। देश व प्रदेश का बुरा हाल कर रखा था। देश की एजेंसियों को आतंकी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने दी जाती थी। आतंकी खुलेआम धमकी देते थे। सरकार आतंकवादियों से मुकदमे भी वापस लेती थी। अफसरों को दबाया जाता था। यहां तक की हाईकोर्ट को भी कठोर टिप्पणी करनी पड़ी थी। कोर्ट ने तब पूछा था कि क्या आतंकवादियों को पद्म विभूषण दिया जाएगा? उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति पर हमला बोला। उन्होंने सपा, बसपा, कांग्रेस को घेरते हुए, कहा कि तुष्टिकरण उनकी मजबूरी बन गई है। पिछले 10 साल में गरीबों के दरवाजे पर मोदी सरकार की योजना पहुंच रही है। यह लोग धर्म विशेष की राजनीति कर रहे हैं। एससी, एसटी, ओबीसी को हर योजना का लाभ पहुंच रहा है। मुस्लिम समाज इंडी गठबंधन से छिटक चुका है। एससी ओबीसी हमारे साथ आ चुका है। सबका साथ सबका विकास पर मेरी सरकार काम कर रही है। मुसलमानों के हित की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के उन्हें मिल रहा है। मुस्लिम समाज भी यह समझ रहा है। परंतु कांग्रेस के लोग उनमें फूट डालकर भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम समाज भी अब कांग्रेस गठबंधन से छिटक चुका है। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि इनका घोषणा पत्र मुस्लिम लीग की छाप वाला है। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। डॉ. आंबेडकर, नेहरू सहित विभिन्न महापुरुषों ने कहा था कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा परंतु कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देने में लगी है। आरक्षण पर मोदी ने कहा यादव, कुर्मी, लोधी, कुशवाहा, सहित अन्य पिछड़े समाज व दलित समाज का कांग्रेस हक लूटने की कोशिश करेगी। जनता को उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि जब तक मोदी जिंदा है संविधान पर इनको कोई भी खेल नहीं खेलने दूंगा। धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देने दूंगा। एससी एसटी ओबीसी का आरक्षण चोरी नहीं होने दूंगा। कांग्रेस पर हमलावर होते हुए मोदी ने कहा कि उनकी नजर आपकी संपत्ति पर भी है। मैंने कांग्रेस वालों के दिमाग का एक्सरे कर लिया है।

दक्षिण बस्तर में 35 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (हि.स.)। दक्षिण बस्तर में पुलिस व सीआरपीएफ का नक्सलियों पर बढ़ते दबाव का परिणाम नजर आने लगा है। दक्षिण बस्तर के तीनों जिले के सरहदी इलाकों सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में सक्रिय एक-एक लाख रुपए के तीन इनामी सहित 35 नक्सलियों ने रविवार को आत्मसमर्पण कर दिया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने कहा कि समर्पण करने वाले नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की ओर से पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 180 इनामी नक्सली सहित कुल 796 नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं। इस मौके पर पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, पुलिस उप महानिरीक्षक (परि.) सीआरपीएफ विकास कठेरिया, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, द्वितीय कमान अधिकारी (परि.) सीआरपीएफ अनिल कुमार झा, द्वितीय कमान अधिकारी विवेक कुमार सिंह 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन उपस्थित रहे।

पुंछ में हमला : जम्मू में पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन

जम्मू (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने सेना के काफिले पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में रविवार को जम्मू में एक जोरदार पाकिस्तान विरोधी विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। हमले में पांच जवान घायल और एक जवान जवान शहीद हो गया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान, उन्होंने आईएसआई, हाफिज सईद, अजहर मसूद और लश्कर-ए-तैयबा सहित पाकिस्तान से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पुतले जलाए, जो जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों, मुठभेड़ों और ऑपरेटिंग मॉड्यूल में उनकी कथित संलिप्तता को उजागर करते थे।

मोदी सरकार ने बदली राजनीति की परिभाषा और संस्कृति : नड्डा

रायपुर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों की सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और भ्रष्टाचार और कुशासन के लिए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि यह चुनाव केवल सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में वोटबैंक, परिवारवाद, जातिवाद, धर्म और तुष्टीकरण की राजनीति होती थी, लेकिन मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राजनीति की परिभाषा और संस्कृति को बदल दिया है। आज विकासवाद, रिपोर्टकार्ड, जवाबदेही की राजनीति होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मंत्र पर काम करते हुए इस देश को आगे ले जाने का काम किया है। नड्डा ने दावा किया कि इस चुनाव में चार सौ से अधिक सीटें जीतकर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासियों और दलितों-पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डालकर अपने चहेते वोटबैंक को देना चाहती है। सोनिया गांधी ने हलफनामा देकर श्रीराम को काल्पनिक बताया था। छत्तीसगढ़ के इलाके नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन मोदी ने नक्सलवाद को खत्म करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिले, एकलव्य मॉडल स्कूल, डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड, ग्राम विकास जैसी योजनाओं से आज आदिवासी क्षेत्रों में विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। मोदी सरकार में आदिवासी समुदाय का बजट तीन गुना और एकलव्य विद्यालयों का बजट 21 गुना बढ़ा है। नड्डा ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है और जो नहीं कहती है, उसे भी पूरा करती है। कांग्रेस शासन में जनजातीय समुदाय के नाम पर रजनीति की जाती थी, वादे सिर्फ भाषणों तक ही सीमित रह जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय समुदाय की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया है। मोदी ने जनजातीय समुदाय को आत्मसम्मान देने का काम किया और आदिवासी समुदाय की बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ नए घरों का निर्माण किया जाएगा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हर घर को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी और अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदेगी। नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने सरगुजा में मेडिकल कॉलेज बनाया, भिलाई में आईआईटी स्थापित की, राजनंदगांव में भारत का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम खुल रहा है। अंबिकापुर के रेलवे स्टेशन का 34 करोड़ रुपए की लागत से नवीनीकरण किया जा रहा है। मोदी का कहना है कि भ्रष्टाचार हटाओ लेकिन घमंडिया इंडी गठबंधन का कहना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने न अंतरिक्ष छोड़ा, न समुद्र, न पाताल, सभी लोक में भ्रष्टाचार किया। लालू यादव ने चारा घोटाला, अलकतरा घोटाला, नौकरी के नाम पर जमीन हड़पी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, के. कविता, अरविंद केजरीवाल और एमके स्टालिन सहित इंडी गठबंधन के तमाम नेताओं पर भ्रष्टाचार के अनेक मामले दर्ज हैं।

पृष्ठ एक का शेष

तीसरे चरण का ...

जयवीर सिंह को पहली बार प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा ने एटा, आगरा, आंवला और फतेहपुर सीकरी से मौजूदा सांसदों पर फिर से दांव लगाया गया है। दल ने संभल लोकसभा सीट से परमेश्वर लाल सैनी को टिकट दिया है। तीसरे चरण में कांग्रेस ने फतेहपुर सीकरी से रामनाथ सिंह सिकरवार को मैदान में उतारा है, जबकि उसके सहयोगी दल समाजवादी पार्टी ने बाकी नौ संसदीय क्षेत्रों से अपने उम्मीदवार उतारे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए ताबड़तोड़ जनसभाएं कीं। उन्होंने 26 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बरेली में रोड शो में भी भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो मई को बरेली, बदायूं और सीतापुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस को चुनावों में इतनी बड़ी हार मिलेगी कि राहुल गांधी को *कांग्रेस ढूंढो यात्रा* पर जाना पड़ेगा। बरेली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि राहुल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और सपा प्रमुख अखिलेश यादव अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हुए, क्योंकि उन्हें डर था कि उनके जाने से उनका वोट बैंक छिटक सकता है। शाह ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह वंशवाद की राजनीति करती है, क्योंकि इसके अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा चुनाव में अपने परिवार के पांच सदस्यों को टिकट दिया है। शाह ने कहा कि अगर उन्होंने कुछ अन्य यादव युवाओं को टिकट दिया होता, तो यह बेहतर होता। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी तीसरे चरण में अपने पार्टी उम्मीदवारों के लिए व्यापक प्रचार किया। वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल यादव ने अपने बेटे आदित्य यादव के लिए वोट मांगे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने भी अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तीन मई को पार्टी उम्मीदवार रामनाथ सिंह सिकरवार के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए फतेहपुर सीकरी में रोड शो किया।

प्रचार के आखिरी ...

सार्वजनिक बैठक रद्द करनी पड़ी क्योंकि उनका हेलीकॉप्टर गुवाहाटी से उड़ान भरने में विफल रहा। सीएम ने सुबह गुवाहाटी में एक मोटरसाइकिल रैली में हिस्सा लिया और शुआलकुची में एक रोड शो के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जो बरपेटा सीट का हिस्सा है। चार सीटों में से, भाजपा गुवाहाटी से चुनाव लड़ रही है, जबकि उसकी सत्तारूढ़ सहयोगी, असम गण परिषद, बरपेटा और धुबड़ी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एक अन्य सत्तारूढ़ भागीदार, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) कोकराझाड़ सीट से चुनाव लड़ रही है। शर्मा ने शुआलकुची में एक रोड शो में कहा कि आज की बारिश स्वर्ग से आशीर्वाद का संकेत है। मतदान के दिन, मैं आप सभी से बड़ी संख्या में बाहर आने का आग्रह करता हूं, भले ही बारिश, तूफान या धूप हो और बरपेटा से अगप उम्मीदवार के लिए वोट करें, । 2019 में, भाजपा की रानी ओजा ने गुवाहाटी से जीत हासिल की थी, कांग्रेस के अब्दुल खालिक ने बरपेटा से जीत हासिल की थी, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने धुबड़ी से तीसरी बार जीत हासिल की थी और निर्दलीय नाबा सरानिया ने कोकराझाड़ से दूसरी बार जीत हासिल की थी। इस बार कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाएगी। मैं अफवाहें सुन रहा हूं कि असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा हमारी पार्टी में फिर से शामिल होने पर विचार कर रहे हैं, ऐसा होने पर। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि कांग्रेस उन्हें अपनी पार्टी में शामिल नहीं होने देगी, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य अजॉय कुमार ने रविवार को गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा। मंगलवार को होने वाले चार सीटों के लिए सैंतालीस उम्मीदवार मैदान में हैं। गुवाहाटी में 8 उम्मीदवारों में से मुख्य मुकाबला भाजपा की बिजुली कलिता मेधी और कांग्रेस की मीरा बरठाकुर गोस्वामी के बीच है. बरपेटा में मैदान में मौजूद 14 उम्मीदवारों में से कांग्रेस के दीप बायन, अगप के फणी भूषण चौधरी और सीपीआई (एम) के मनोरंजन तालुकदार के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। धुबड़ी, जिसमें 13 उम्मीदवार हैं, एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल, कांग्रेस के रकीबुल हुसैन और अगप उम्मीदवार जाबेद इस्लाम के बीच त्रिकोणीय मुकाबला भी देखा जा रहा है। कोकराझाड़ में मैदान में मौजूद 12 उम्मीदवारों में से मुख्य मुकाबला यूपीपीएल के जोयंता बसुमतारी और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के खंपा बोरगोयारी के बीच होने की उम्मीद है। राज्य की 14 में से 10 सीटों के लिए पहले दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

लोस चुनाव : भारी उत्साह ...

समर्पण के प्रमाण के रूप में खड़ी है। उन्होंने *मोदी 3.0* की निरंतरता के लिए अपनी सामूहिक आकांक्षा बताते हुए प्रतिकूलताओं के बीच उनके लचीलेपन की सराहना की। मालूम हो कि 7 मई को आगामी चरण में असम के चार महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेंगे। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है उनमें धुबड़ी, कोकराझाड़, बरपेटा और गुवाहाटी शामिल हैं।

भाजपा गठबंधन के ...

असम के लोगों के पूर्ण समर्थन के साथ एक अप्रतिरोध्य गठबंधन है। माननीय नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेने के कगार पर हैं। उनके मजबूत नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश भर में विकास की जो लहर उभरी है, वह 10 साल पहले अकल्पनीय थी। इसका एक उदाहरण एक मजबूत, समृद्ध और स्वस्थ भारत के लिए *मोदी की गारंटी* माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, पूरा देश और पूर्वोत्तर व्यापक विकास का पावरहाउस बन गया है, मोदी ने सभी चुनौतियों पर काबू पा लिया है दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गई है और विकास, शासन में पारदर्शिता और सभी स्तरों पर लोगों के सशक्तिकरण के एक नए क्षितिज की शुरुआत की है। हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में भारत की विकास रूपरेखा को बदल दिया है और कई माध्यमों से पुनर्जागरण किया है। धन योजना, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन जैसी कल्याणकारी योजनाएं, इसलिए हर स्तर पर लोगों का विश्वास मोदी सरकार में बना हुआ है। पिछली सरकार के दौरान प्रधान मंत्री के रूप में मोदी ने 64 से अधिक बार उपेक्षित पूर्वोत्तर का दौरा किया है। यह देश के किसी भी प्रधान मंत्री द्वारा अब तक की सबसे बड़ी यात्रा है। हमारी सरकार असम में स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में भी लगातार काम कर रही है। दशकों से भ्रष्टाचार, शोषण झेल रहे पूर्वोत्तर में परिवहन सहित विभिन्न पहलुओं के विकास के लिए मोदी सरकार ने 2014 से 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराकर असम और पूरे पूर्वोत्तर के गौरव को पुनर्जीवित किया है। हत्या और कुप्रबंधन श्री मोदी ने असम में लगातार मेडिकल कॉलेज, एम्स, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित कर एक अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, असम में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के परिसरों को तेजी से उन्नत किया गया है - पूर्वी क्षेत्र के लोगों को एक अनूठा अनुभव हुआ है मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जीवन की गुणवत्ता में अधिकतम प्रगति और उन्नयन। आइए हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना के अनुसार 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलकर काम करें। सोनोवाल ने सिर झुकाया और पिछले दो महीनों में पूरे असम में उनके अटूट सहयोग, समर्थन और प्रतिक्रिया के लिए लोगों और विशेष रूप से भाजपा गठबंधन के कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत, समर्पित सेवा और पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोगों को शांति, समृद्धि, सद्भाव और *सबका साथ, सबका विकास* की अजेय यात्रा को नया आकार देने के लिए 7 मई को एनडीए उम्मीदवारों को वोट देने के लिए बड़ी संख्या में आना चाहिए।

यहां के लोग स्वयं ...

पीओके पर अपना कब्जा करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि लोग ही कहेंगे कि हमें भारत में विलय करना चाहिए। ऐसी मांगें अब उठ रही हैं। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि पीओके हमारा था, है और रहेगा। जम्मू-कश्मीर में जमीनी हालात में सुधार का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि वहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होंगे लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बतायी। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से स्थिति में सुधार हो रहा है, उसे देखकर मुझे लगता है कि एक समय आएगा जब वहां अफस्पा की आवश्यकता नहीं होगी। यह मेरा विचार है और इस पर निर्णय गृह मंत्रालय को लेना है। अफस्पा सुरक्षा बलों को अभियान चलाने और बिना किसी पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। यदि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में गोली लगने से किसी की मौत हो जाती है तो ऐसी स्थिति में अफस्पा उन्हें सजा से छूट देता है। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के छद्म युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को सीमा पार आतंकवाद को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि वे भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं और हम ऐसा नहीं होने देंगे। पुलवामा आतंकवादी हमले के जवाब में फरवरी 2019 में भारत के युद्धक विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया है।

त्रिपुरा में दो अलग-अलग...

भारत-बांग्लादेश सीमा से बांग्लादेश से भारत में दाखिल हुए थे। फिर वे काम की तलाश में बेंगलुरु चले गए। वर्षों तक बेंगलुरु में रहने के बाद वे बांग्लादेश लौटने के लिए 30 अप्रैल को बेंगलुरु से ट्रेन से पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्टेशन पहुंचे। 2 मई को वे ट्रेन से सियालदह एक्सप्रेस से त्रिपुरा के लिए निकले। शुक्रवार को अंबासा रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वे दलालों की मदद से दो ऑटो में देर रात गंडाछारा पहुंचे। उन्होंने गंडाछारा के मास कुंभीरपारा में एक घर में रात बिताई। शनिवार को उन्होंने गंडाछारा से भारत-बांग्लादेश सीमा पार कर बांग्लादेश जाने की योजना बनाई थी लेकिन इसी बीच उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार बांग्लादेशियों की पहचान मामून सरदार (29), रूमा बेगम (25), अफसाना अख्तर (22), एमडी राजीब हल्दर (20), महाराज शेख (25), चान मिया (36), फैजल एकॉन (18) तथा फिरदौस शेख (30) के रूप में हुई है। इनके अलावा इनमें तीन बच्चे शामिल हैं। धलाई जिले में ही एक अन्य अभियान चलाकर धलाई पुलिस और रेलवे पुलिस ने अंबासा रेलवे स्टेशन से दो बच्चों सहित पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। वे बांग्लादेश के बरिशाल जिले से आकर काम की तलाश में पश्चिम बंगाल जा रहे थे।

लोस चुनाव के चौथे ...

पर यह विश्लेषण किया गया है। चौथे चरण के लिए मैदान में उतरे 476 उम्मीदवार करोड़पति हैं और इस चरण के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों की औसतन संपत्ति 11.72 करोड़ रुपए है। चौथे चरण के लिए 13 मई को 10 राज्यों की 96 सीटों पर मतदान होना है। इस चुनाव में 17 प्रत्याशी ऐसे हैं जिन्हे किसी न किसी मामले में अदालात में सजा सुनाई जा चुकी है, 11 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या, 30 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या के प्रयास, 50 उम्मीदवारों के खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध करने के मामले और 44 उम्मीदवारों के खिलाफ हेट स्पीच के मामले हैं। अपराधी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के मामले में क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय पार्टियों के मुकाबले काफी आगे हैं। असदुद्दीन ओवैसी की ए. आई.एम. आई एम द्वारा इस चरण में उतारे गए 3 उम्मीदवारों (100 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले हैं और यह सारे अपराध गंभीर अपराध की श्रेणी में आते हैं। इसी प्रकार शिव सेना के 3 में से 2 (67 प्रतिशत) उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं और यह सभी गंभीर आपराधिक मामले हैं। बी.आर.एस.के. 17 में से 10 उम्मीदवारों (59 प्रतिशत) उम्मीवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। आंध्र प्रदेश की गुंटूर सीट से तेलगु देशम पार्टी (टी डी पी) की टिकट पर चुनाव लड़ रहे चंद्र शेखर पेम्मसानी चौथे चरण के सबसे उम्मीदवार हैं। उनकी संपत्ति 5705 करोड़ रूपए से ज्यादा है जबकि दुसरे नंबर पर तेलंगाना की चेवेला सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी कोंडा विश्वेशर रेड्डी हैं। उनकी सपंति 4568 करोड़ रुपए है तीसरे नंबर पर आंध्रा प्रदेश के नेल्लोर सीट से चुनाव लड़ रहे प्रभाकर रेडी वेमीरेड्डी हैं। उनकी संपत्ति 716 करोड़ रुपए है।

आग बुझाने के दौरान...

में आग से वन संपदा और वन्यजीवों को काफी नुकसान पहुंचा है। टनकपुर (चंपावत) क्षेत्र के बूम वन रेंज के जंगल में शुक्रवार देर शाम को भीषण आग लग गई। वन कर्मियों ने बमुश्किल आग को फैलने से रोका। इस बीच एक वन कर्मी धुएं से बेहोश हो गया जिसका उप जिला अस्पताल में इलाज किया गया। वहीं, गुरुवार को जंगल की आग से झुलसी चौथी महिला श्रमिक पूजा ने भी दम तोड़ दिया है। इस हादसे में उसके पति की पहले ही मौत हो चुकी है। सोमेश्वर के स्यूनराकोट में तीन दिन पूर्व जंगल की आग में चार नेपाली श्रमिक झुलस गए थे। तीन की मौत पहले ही हो चुकी है जबकि चौथी महिला श्रमिक की ऋषिकेश एम्स में उपचार के दौरान शनिवार को मौत हो गई। बागेश्वर जिले के ओखलसों गांव में खेत में गेहूं के अवशेष जलाने के लिए लगाई गई आग को बुझाने के दौरान दो सगे भाई रिटायर्ड फौजी नारायण सिंह (62) पुत्र सुर सिंह और उनके भाई प्रताप सिंह (55) झुलस गए। वहीं, बागेश्वर जिले के रीमा में गोशाला में आग लगने से गाय और बछड़ा जिंदा जल गए। धरमघर रेंज के रेंजर प्रदीप कांडपाल ने बताया कि घटना की जांच की जाएगी। उधर, बागेश्वर रेंज के गोगिनापानी गांव में नाप खेतों में लगी आग जंगल तक पहुंच गई। अल्मोड़ा-क्वारब हाईवे तक जंगल की आग पहुंचने से आवाजाही रोकनी पड़ी। जंगल की यह आग करबला में संचालित होटल मैनेजमेंट संस्थान के पास तक पहुंच गई। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अल्मोड़ा-क्वारब हाईवे किनारे चीड़ के कई पेड़ों के जलकर गिरने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्री और वाहन चालक जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने के लिए मजबूर हैं। ताड़ीखेत क्षेत्र के जंगलो में लगी आग रानीखेत-रामनगर हाईवे तक पहुंच गई। धुएं से सड़क का दिखना बंद हो गया तो चालकों ने वाहनों की आवाजाही रोक दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाई। इसके बाद आवाजाही शुरू हो पाई। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को प्रदेश में वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम और ग्रीष्मकाल में पेयजल की समस्या के समाधान को लेकर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक ली। उन्होंने कहा कि वनाग्नि की घटना पर रिस्पांस समय कम से कम हो। निचले स्तर से लेकर ऊपरी स्तर के प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या अधिक है वहां वैकल्पिक रूप से टैंकर आदि के जरिये पानी की आपूर्ति कराई जाए। सूख चुके हैंडपंपों के कारणों की जांच कर उन्हें ठीक कराया जाए। बागेश्वर जिले में वनाग्नि के साथ-साथ नाप खेतों में गेहूं के अवशेष जलाने के लिए लगाई जा रही आग से भी हालात बिगड़ रहे हैं। डीएम अनुराधा पाल, ने नाप खेतों में आग लगाने वालों पर भी नजर रखने और नाप खेत की आग जंगल तक फैलने पर खेत मालिक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। चंपावत जिले में वनाग्नि की 55 घटनाओं में रिजर्व फॉरेस्ट में 36.89 हेक्टेयर में वनाग्नि बुझाई गई है। इन घटनाओं में 37 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें 11 नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, बागेश्वर जिले में अब तक वनाग्नि की 26 घटनाओं में 31.42 हेक्टेयर जंगल जला है और 94,260 रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ है। मई में वनाग्नि की आठ घटनाएं हुई हैं। हालांकि जगह-जगह लग रही आग को जोड़ा जाए तो जिले में वनाग्नि की घटनाओं का आंकड़ा शतक के करीब पहुंच चुका है।

वैक्सीन लगवा चुके ...

सकता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि बूस्टर डोज लगवाने के बाद भी यह स्ट्रेन आपको अपनी चपेट में ले सकता है, जिसके कारण लोग काफी चिंता में हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक जे. वेइलैंड के अनुसार, वेस्ट वॉटर की निगरानी कर रही उनकी टीम को पानी के कुछ सैंपल में कोरोना का नया वेरिएंट मिला। लोगों को इस नए वेरिएंट को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। उनका ऐसा मानना है कि गर्मी की वजह से यह वेरिएंट कोरोना के मामले बढ़ा सकता है। यह वेरिएंट अमेरिका के अलावा यह दुनिया के अन्य हिस्सों में मौजूद कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को भी प्रभावित कर सकता है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यह वेरिएंट कोरोना की एक नई लहर का कारण बन सकता है। कोरोना का यह वेरिएंट इसके अन्य वेरिएंट्स से अलग है। यह अन्य वेरिएंट की तुलना में ज्यादा खतरनाक हो सकता है। डायबिटीज या दिल की बीमारी के मरीज को इससे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

चांद पर अनुमान...

ऑर्बिटर (एलआरओ) पर लगे रडार, लेजर, रेडियोमीटर समेत अन्य उपकरण शामिल थे। अध्ययन से पता चला कि चांद के उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र में दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र की तुलना में दोगुनी बर्फ है। इसरो के मुताबिक, इस बर्फ का संबंध कैंब्रियन काल के दौरान हुई ज्वालामुखीय गतिविधियों से है। इनसे निकली गैस लाखों वर्षों में धीरे-धीरे सतह के नीचे बर्फ के रूप में जमा होती गई। कैम्ब्रियाई कल्प पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास में एक कल्प था, जो 54.10 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ और 48.54 करोड़ वर्ष पहले अंत हुआ। यह दृश्यजीवी इओन का और पुराजीवी महाकल्प का प्रथम कल्प था। इसके बाद ओर्डोविशी कल्प आया। इस अध्ययन के नतीजे इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के पिछले अध्ययन का भी समर्थन करते हैं, जिसमें चंद्रयान-2 के ड्युल फ्रिक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार और पोलैरीमेट्रिक रडार से प्राप्त आंकड़ों में इस बात के संकेत मिले थे कि चंद्रमा की सतह पर मौजूद ध्रुवीय क्रेटरों में बर्फ हो सकती है। पिछले शोध में चंद्रमा की सतह के नीचे गहरे पानी के अस्तित्व का पता चला था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सतह पर पानी की बर्फ के अस्थायी सबूत भी थे, लेकिन अब तक कोई सबूत नहीं था।

असम-मेघालय सीमा...

भी पुलिसकर्मी मौजूद वहां नहीं था। इस घटना से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई है। मालूम हो कि पुलिस गश्ती चौकी की स्थापना मेघालय के खासी लोगों और असम के कार्बी लोगों के बीच चल रहे सीमा विवाद के जवाब में की गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना के बाद एक सुरक्षा दल घटनास्थल पर पहुंचा, लेकिन चौकी पहले ही जल चुकी थी। सूत्रों का दावा है कि क्षेत्र में दोनों पड़ोसी राज्यों के निवासियों के बीच पहले भी झड़पें हो चुकी हैं।

भारत-पाक सीमा ...

लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह डेका को जनरेटर रूम के पीछे लगे पेड़ पर फंदे से लटकते देख जवानों ने बीएसएफ के अधिकारियों को बताया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने तनोट थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जवान के शव को पेड़ से उतारकर रामगढ़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। अभी तक सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने खुदकुशी के कारणों को लेकर कुछ भी जानकारी नहीं दी है। जवान के साथियों ने बताया कि डेका 3 साल बाद रिटायर होने वाले थे। वह फरवरी महीने में ही छुट्टी काटकर घर से आए थे। बहुत ही मनमौजी स्वाभाव के थे। बबलीयानवाला पोस्ट पर वो जनरेटर ऑपरेट करने का काम करते थे और जनरेटर रूम में ही रहते थे। साथी जवान के सुसाइड करने से बीएसएफ के अन्य जवान सकते में हैं।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज-सिलचर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क दुर्घटना में एक स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार को करीमगंज-सिलचर को जोड़ने वाली सड़क पर कछार के श्रीकोनार दैनिक बाजार के समीप एक तेज रफ्तार कार द्वारा ठोकर मारे जाने से स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुमारपारा निवासी मृणालकांति पाल के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महानगर में भाजयुमो की विशाल बाईक रैली

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बाइक रैली का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा की पहल के तहत आज गुवाहाटी में एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के प्रचार के अंतिम दिन असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के खानापाड़ा वेटरनरी ग्राउंड से लटाशील ग्राउंड तक युवा मोर्चा द्वारा निकाली गई बाइक रैली का उद्घाटन किया। रैली का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि यह चुनाव अब भी अन्य समय की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है। पिछले चुनावों की तुलना में इस बार सभी क्षेत्रों के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में सीधे आकर काफी प्रतिक्रिया दी है। राज्य में महिलाओं से 100 प्रतिशत समर्थन प्राप्त करने के साथ युवा पीढ़ी का उत्साह अभूतपूर्व है। युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांक्रू अंकुर बरुवा ने कहा कि पहले लोग चुनाव में हिस्सा लेने से डरते थे, लेकिन इस बार हर स्तर के लोग चुनाव को त्योहार की तरह नहीं मनाएंगे। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि आज असम में हर कोई एक परिवार की तरह है- चाहे असमिया हो, बंगाली हो, मारवाड़ी हो या बिहारी हो- सभी असम मां की संतान हैं। यही बदलाव भाजपा लेकर आई है।

एआईयूडीएफ ने बीपीएफ उम्मीदवार खांफा बरगयारी को समर्थन किया

कोकराझाड़ (विभास)। एआईयूडीएफ कोकराझाड़ जिला समिति के कार्यालय में हुए एक संवादमेल के माध्यम से एआईयूडीएफ कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष अनवर हुसैन के बीपीएफ उम्मीदवार खांफा बरगयारी को निस्वार्थ समर्थन दिया है। साथ ही इस संवादमेल के माध्यम से एआईयूडीएफ के समर्थक जनताओं को बीपीएफ उम्मीदवार खांफा बरगयारी को वोट देने का अपील किए है।

ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव के डिमरूगुड़ी में ट्रेन से गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि शिलघाट-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन से मृतक के गिरने की आशंका है। करीब 50 साल के व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक के पास मिला। मृतक की पहचन नहीं हो पाई है। रेलवे पुलिस मौके पर मौजूद होकर शव को कब्जे में ले लिया और उसे अंत्यपरीक्षण के लिए अस्पताल में भेज दिया।

रेलवे ने यूटीएस मोबाइल एप से जियो-फेंसिंग प्रतिबंध हटाया

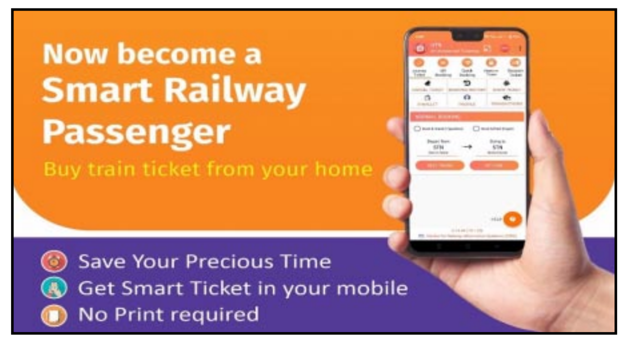

गुवाहाटी (हिंस)। यात्री सुविधा बढ़ाने और यात्रियों के लिए टिकट बुक करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए भारतीय रेल ने यूटीएस ऑन मोबाइल एप पर जियो-फेंसिंग प्रतिबंधों की बाहरी सीमा को समाप्त कर दिया है। टिकट बुक करते समय ग्राहक सुविधा और अनुभव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिजिटलीकरण पहल के रूप में तीन *सी* -कांटेक्ट लेस टिकटिंग, कैशलेस ट्रांसजेक्शन और कस्टमर कंवेनिएंस एंड एक्सपेरिएंस पर विशेष जोर दिया गया है। इससे पहले, यदि यात्री स्टेशन या घर के भीतर होते थे, तो टिकट बुक नहीं किया जा सकता था। रेलवे की जियो फेंसिंग के कारण यात्रियों को टिकट बुक करने में बाधा आती थी। लोग एक स्टेशन के 20 किमी से 50 किमी के दायरे में अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट बुक नहीं करा सकते थे। जियो-फेंसिंग की बाहरी सीमा समाप्त होने के बाद यात्री अब अपने घर या किसी भी स्थान से किसी भी गंतव्य के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि, यात्रियों को टिकट बुक करने के दो घंटे के भीतर स्टेशन परिसर पहुंचना होगा। यात्री स्टेशन के अंदर एप के माध्यम से टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यूटीएस ऑन मोबाइल एप का उपयोग करने का एक लाभ यह है कि यात्रियों को एप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग के लिए अपने आर-वॉलेट को रिचार्ज करते समय 3 फीसदी बोनस मिलेगा। यह अनारक्षित टिकटों की बुकिंग और खरीद में दक्षता बढ़ाने, टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों को कम करने और उपयोगकर्ताओं को डिजिटल बुकिंग प्रक्रिया की ओर प्रोत्साहित करना है।

असम में 13 सीटें भाजपा का जीतना निश्चित : भबेश कलिता

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता ने दावा किया है कि राज्य की कुल 14 सीटों में से 13 सीटें भाजपा का जीतना निश्चित है। जबकि, एक धुबड़ी सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने के कारण परिणाम के बारे में कहना मुश्किल है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि धुबड़ी सीट पर भी अल्पसंख्यक मतदाता इस बार बड़ी संख्या में भाजपा को वोट देने जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता रविवार को एक चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले चरण में हुए पांच सीटों पर मतदान तथा दूसरे चरण में हुए अन्य पांच सीटों पर मतदान की समीक्षा के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इन 10 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी चुनाव जीतने जा रहे हैं। जबकि, तीसरे और अंतिम चरण में 7 मई को मतदान होने जा रहे चार लोकसभा सीटों में से तीन सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे। गुवाहाटी सीट को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में भाजपा अध्यक्ष कलिता ने कहा कि गुवाहाटी में और किसी की लहर नहीं है, एकमात्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लहर है। लोग भाजपा प्रत्याशी बिजुली कलिता मेधी को भारी मतों के अंतर से चुनाव जिताएंगे। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने पत्रकारों के अन्य के प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

निर्दलीय प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में पहुंची अभिनेत्री मंदाकिनी

बरपेटा (हिंस)। असम में हो रहे लोकसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रविवार को फिल्म अभिनेत्री मंदाकिनी असम पहुंची। मंदाकिनी ने बरपेटा लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार दुलू अहमद के रोड शो में भाग लिया। बाद में मंदाकिनी ने पत्रकारों से भी बातचीत की। मीडिया से बातचीत करते हुए अभिनेत्री मंदाकिनी ने बरपेटा लोकसभा सीट के निर्दलीय प्रत्याशी दुलू अहमद को जहाज चुनाव निशान पर वोट देकर विजयी बनाने की अपील की। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग जनता की सेवा करते हैं और क्षेत्र के लिए कार्य करते हैं उन्हें वोट देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुलू अहमद हमेशा ही जनता की सेवा में लगे रहते हैं। उल्लेखनीय है कि दुलू अहमद आम आदमी पार्टी से टिकट मांग रहे थे। आम आदमी पार्टी से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। ज्ञात हो कि बरपेटा लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं की बड़ी संख्या है। बीते लोकसभा चुनाव में यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार अब्दुल खालेक चुनाव जीते थे। इस चुनाव में कांग्रेस ने निवर्तमान सांसद खालेक को टिकट देने के बदले द्वीप बायन को टिकट दिया। जबकि, एनडीए समर्थित असम गण परिषद ने यहां से फणि भूषण चौधरी को टिकट दिया। ऐसे में स्वाभाविक रूप से मुस्लिम मतदाताओं की पहली पसंद दुलू अहमद होंगे। दुलू अहमद का नाम राज्य के करोड़पति उम्मीदवारों में सुमार है। चुनाव आयोग को दिए गए ब्यौरा के मुताबिक दुलू अहमद की निजी संपत्ति 65 करोड़ रुपए की है। चुनाव प्रचार में निर्दलीय प्रार्थी होते हुए भी दुलू अहमद ने जमकर प्रचार किया। मंदाकिनी का बरपेटा आना स्थानीय वोटरों के लिए बड़े आकर्षण का केंद्र रहा।

महानगर परिवहन विभाग का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी। महानगर परिवहन विभाग द्वारा फ्री हेल्थ एवं आई चेकअप का का आयोजन किया गया। ज्ञात है कि असम में लोकसभा के तीसरे चरण में अन्य लोकसभा क्षेत्रों के साथ गुवाहाटी का भी चुनाव 7 मई को होने जा रहा है। इसके लिए गुवाहाटी महानगर परिवहन विभाग द्वारा 392 बसों का अधिग्रहण किया गया है जिसे बेटकुची के आईएसबीटी में रखा गया है। जिसे कल 6 मई को विभिन्न मतदान केंद्रों पर रवाना किया जाएगा जिसको लेकर आज आईएसबीटी में डेप्युटी कमिश्नर गौतम दास के निर्देशन में फ्री हेल्थ एवं आई चेकअप कैंप लगाया गया जहां सैकड़ों बस ड्राइवरों एवं खलासियों ने अपनी जांच करवाई ,इसी के साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ड्राइवरों के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें ड्राइविंग करते समय किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए उसके बारे में जानकारी दी गई।

चितला और शक्तिआश्रम में जीएसपी प्रार्थी बिनीता डेका का चुनाव प्रचार कार्यक्रम संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा चुनावी क्षेत्र के शक्तिआश्रम और चितला में आज जीएसपी के उम्मीदवार बिनीता डेका ने दूकान-दूकान जाकर लोगों से वोट देने की अपील की। उन्होंने सड़क पर मिले हर लोगों से मतदान की अपील की। इसके अलावा उन्होंने सड़क पर मिले लोगों से मिले लोगों तथा उनकी हित को लेकर चर्चा भी की। साथ ही उन्होंने लोगों से अपने पक्ष में मतदान के लिए लोगों से आग्रह किया। साथ ही उन्होंने पत्रकारों के साथ हुए बातचीत में कहा कि एक नंबर कोकराझाड़ सीट से उनकी जीत लगभग तय है। जनता उनके साथ हैं, वे जहां भीं गई वहां लोगों ने उनकी भरपूर स्वागत भी की।

रंगिया : दुकान में चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

रंगिया (विभास)। रंगिया के आईओसी चौक पर स्थित एक दुकान में चोरी होने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक चोर ने रात्रि 3 बजे उक्त दुकान में घुसकर दुकान के कैश बक्से से पांच हजार रूपए चुराने के अलावा दुकान से 25 पैकेट सिगरेट चोरी करने और दुकान को तहस नहस करने की बात दुकान के मालिक द्वारा बताई गई है। उसने बताया कि दुकान में घुसने के बाद चोर ने फ्रिज से कोल्ड ड्रिंक्स निकालकर पी पर अन्य सामान होते हुए भी चोर ने उन्हे हाथ नहीं लगाया। वहीं चोरी की सारी घटना दुकान की सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात का उल्ललेख किया। बताया कि जब उन्होने सुबह दुकान खोली तो दुकान के सभी सामान इधर उधर बिखरे नजर आए तभी सीसीटीवी कैमरे में देखने पर चोरी होने की घटना का पता चल पाया। दुकान के मालिक द्वारा चोर की पहचान कर लिए जाने की बताई गई है वहीं इसकी शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है।

कोकराझाड़ : एनडीए प्रार्थी जयंत बसुमतारी के समर्थन में बंगाली युवा छात्र फेडरेशन

कोकराझाड़ (विभास)। आज अलग-अलग हुए संवाददाता सम्मेलन में ऑल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के जोनल कमिटी के अध्यक्ष राजीब सरकार ने एनडीए उम्मीदवार जयंत बसुमतारी को समर्थन करते हुए लोगों से उन्हें वोट देने की अपील की। वहीं दूसरी ओर बीटीआर अनुसूचित छात्र संगठन ने एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार जयंत बसुमतारी को समर्थन किया है। इसकी जानकारी संवाददाता सम्मेलन के जरिए बीटीआर अनुसूचित छात्र संगठन के प्रदीप सरकार ने दी। एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बीपीएफ के उम्मीदवार खांफा बरगयारी के समर्थन में फकीराग्राम ब्लॉक के नेता डॉ. राजाउल करीम, इनामूल हक, सुल्तान आलम ने आज जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया। वहीं फकीराग्राम बीपीएफ ब्लॉक कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से बीपीएफ के प्रार्थी खांफा बरगयारी को बारी मतों से मतदान कर उन्हें जीताने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि एक नंबर कोकराझाड़ चुनावी क्षेत्र में किसी दल के साथ बीपीएफ का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लोग बीपीएफ के साथ हैं और काफी मतों के अंतर से बीपीएफ के उम्मीदवार की जीत पक्की है।

जेसीआई, रंगिया रॉयल्स का तीन दिवसीय मेहंदी कार्यशाला आयोजित

रंगिया (विभास)। अग्रणी संस्था जेसीआई रंगिया रॉयल्स द्वारा तीन दिवसीय प्रगति 1.0 (सीखें और कमाएं) नामक एक विशेष मेहंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलाकार श्रीमती सोनिया मिश्रा के प्रशिक्षण द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इस कार्यशाला का बृहस्पतिवार को सफल समापन किया गया। कार्यशाला में 13 युवतियों ने भाग लिया और मेहंदी लगाने की कला को वेहतर तरीके से सीखा तथा अपनी आजीविका के पथ पर अग्रसर हुई। कार्यक्रम में दो सर्वश्रेष्ठ शिक्षार्थियों को पुरस्कृत किया गया। शाखा अध्यक्ष शोभा अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित। इस कार्यशाला में संयोजक पूजा वैद्य, निकिता वैद्य और मोनिका ने इस परियोजना को सफल रूप दिया। वहीं शाखा के सभी अन्य सदस्यों तथा पदाधिकारियों ने भी अपना योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कामरूप में चला रहे मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वोट *शिखा यात्रा* कार्यक्रम का समापन

रंगिया (विभास)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कामरूप चुनाव जिले द्वारा इसके अंतर्गत 965 मतदान केंद्र को लेकर चलाए वोट शिखा जागरूकता अभियान का शुक्रवार को शराईघाट उच्च मध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र में समापन किया गया। मालूम हो कि यह वोट शिखा जागरूकता यात्रा पिछले 20 अप्रैल को रामपुर स्थित हालीगांव उच्च मध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र से शुरू की गई थी और कामरूप चुनावी जिले के समरिया, बोको-छयगांव, पलाशबाड़ी, हाजो-शुवालकुची विधानसभा क्षेत्रों के 965 मतदान केंद्रों को कवर किया। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) कार्यक्रम के तहत की गई। इस यात्रा का उद्देश्य सभी मतदाताओं को आगामी 7 मई को लोकसभा मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित करना था। वोट शिखा जागरूकता यात्रा के समापन कार्यक्रम में जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त, बोको राजस्व चक्र अधिकारी और स्वीप सेल की सहायक अधिकारी सोमा रॉय उपस्थित रही।

कछार में 1.80 किग्रा हेरोइन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। ड्रग्स के खिलाफ कछार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कछार पुलिस ने रविवार को बताया कि लखीपुर और धलाई थाना पुलिस ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से कुल 1 किलो 800 ग्राम हेरोइन जब्त करने में कामयाबी हासिल की। जब्त हेरोइन की कीमत 9.5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार धलाई पुलिस ने नाका चेकिंग करते समय एक बोलेरो के तेल टैंक से हेरोइन से भरे 74 साबुनदानी जब्त किए। जिसमें से कुल 1.036 ग्राम हेरोइन जब्त की गई और रजीबुल इस्लाम लस्कर नामक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आपूर्तिकर्ता हेरोइन को पड़ोसी राज्य मणिपुर से कछार के माध्यम से बाहरी राज्य में ले जाने की योजना बना रहे थे। इस बीच पुलिस ने लखीपुर के पलेरबंदा से भी भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। लखीपुर के एसडीपीओ पार्थ प्रतिम दुवरा के नेतृत्व में बांसकांदी पुलिस ने एक बाइक पर छापा मारा और हेरोइन से भरे 55 साबुनदानी जब्त किए। कुल 700 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। जब्त हेरोइन की कीमत कई करोड़ रुपए आंकी जा रही है। गौरतलब है कि पुलिस ने शमीम लस्कर नामक तस्कर को नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया।

संपादकीय

‘वोट जेहाद’ के मायने

दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र अमरीका और सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आजकल जेहाद की गूंज है। संदर्भ और कारण अलग-अलग हैं। अमरीका के संदर्भ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमरीका में जेहाद नहीं चाहिए। अमरीका में यूनिवर्सिटीज का इस्लामीकरण नहीं होना चाहिए। कुछ यूनिवर्सिटी ऐसी हैं, जिनके परिसरों में युवा शक्ति गाजा के फलस्तीनियों के पक्ष में आंदोलित हैं। वे हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थक या प्रतिनिधि हो सकते हैं। आश्चर्य है कि गाजा के मुसलमानों के हालात और इजरायल के हमलों पर अधिकतर इस्लामी देश अब खामोश हैं, लेकिन अमरीका की यूनिवर्सिटीज में आंदोलन जारी हैं। माइक पर नमाज पढ़ी जा रही है। परिसरों में नौजवानों ने तंबू तक गाड़ कर अवरोधक खड़े कर लिए हैं। यह अमरीका के लोकतंत्र की संस्कृति नहीं है। इन आंदोलनों को खत्म किया जाना चाहिए। हमने देखा है कि जब यूरोप ने जेहाद के लिए अपने दरवाजे खोले, तो क्या हुआ? पेरिस को देख लो। लंदन में देख लो। वे अब पहचानने लायक नहीं हैं। हम अमरीका के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। हमारे पास अविश्वसनीय संस्कृति और परंपरा है। बहरहाल भारत में आम चुनाव का मौसम है। लोकसभा के लिए मतदान के चरण जारी हैं, लेकिन मारिया आलम खां ने ‘वोट जेहाद’ के जरिए मुसलमानों का आह्वान किया है। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी हैं। सम्पन्न और शिक्षित परिवार से हैं। फिर भी इतनी सांप्रदायिक और देश-विरोधी सोच की हैं, उनका आह्वान सुनकर हैरानी हुई। जेहाद सिर्फ नारेबाजी तक सीमित नहीं था, बल्कि मारिया ने मौजूदा सत्ता के प्रति जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे बेहद नफरती और आपत्तिजनक भी हैं। सवाल है कि क्या भारत में हिंदू, मुसलमान, ईसाई, पारसी आदि के अलगाववादी आह्वानों पर ही चुनाव कराए जा सकते हैं? चुनाव आपसी समभाव, सौहार्द और भाईचारे के भाव के साथ नहीं हो सकते? भारत तो संवैधानिक तौर पर ‘पंथनिरपेक्ष’ देश है। दरअसल इस तरह जेहाद की बात करना आपराधिक मानसिकता है। मारिया जैसे लोग चाहते हैं कि एक-एक मुसलमान घर से निकले और अपने तय मुस्लिम उम्मीदवार के पक्ष में ही वोट सुनिश्चित करे। मुसलमानों को देश के संसाधनों पर भी पहला हक चाहिए। सरकारी नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी ठेकों, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आरक्षण चाहिए। कांग्रेस 2009 से अपने चुनाव घोषणा पत्रों में ऐसे आरक्षण या समान अवसर मुहैया कराने का आश्वासन देती आ रही है। उससे पहले भी ऐसी ही सोच रही होगी, लेकिन हमने खंगाल कर नहीं देखा। यह दीगर है कि मई, 2014 से कांग्रेस केंद्रीय सत्ता के बाहर है, लेकिन वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों के पर्सनल लॉ, पोशाक, खान-पान और वक्फ के वर्चस्व को भी पूरी स्वतंत्रता दिए जाने की सुनिश्चित घोषणा कर चुकी है। क्या अब देश में ‘शरिया कानून’ भी लागू रहेगा? वोट के नाम पर जेहाद किस तरह होगा, किसी ने भी स्पष्ट नहीं किया। न सलमान खुर्शीद ने और न ही कांग्रेस ने ‘वोट जेहाद’ का खंडन किया है। जेहाद किस लोकतंत्र का हिस्सा या पर्याय है? हमने तो भारत में आतंकवाद के नाम पर भी जेहाद सुना है। देश के विभिन्न हिस्सों में जो आतंकी हमले किए गए हैं या जेहाद के नाम पर जो कत्लेआम, लहूलुहान जारी है, वह ‘धर्मयुद्ध’ किस तरह कहा या माना जा सकता है? मारिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है। उनके खिलाफ देश-विरोधी गतिविधियों वाले कानून में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। कभी ‘लव जेहाद’ सुनते हैं, तो कभी ‘लैंड जेहाद’ के नारे बुलंद किए जाते हैं। ‘मुस्लिम आरक्षण’ पर भी अदालतों के खिलाफ जेहाद बोला जा सकता है, क्योंकि सबसे ताजा स्थापना अदालत की ही है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

> अमरीका में यूनिवर्सिटीज का इस्लामीकरण नहीं होना चाहिए। कुछ यूनिवर्सिटी ऐसी हैं, जिनके परिसरों में युवा शक्ति गाजा के फलस्तीनियों के पक्ष में आंदोलित हैं। वे हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थक या प्रतिनिधि हो सकते हैं। आश्चर्य है कि गाजा के मुसलमानों के हालात और इजरायल के हमलों पर अधिकतर इस्लामी देश अब खामोश हैं, लेकिन अमरीका की यूनिवर्सिटीज में आंदोलन जारी हैं। माइक पर नमाज पढ़ी जा रही है। परिसरों में नौजवानों ने तंबू तक गाड़ कर अवरोधक खड़े कर लिए हैं। यह अमरीका के लोकतंत्र की संस्कृति नहीं है। इन आंदोलनों को खत्म किया जाना चाहिए। हमने देखा है कि जब यूरोप ने जेहाद के लिए अपने दरवाजे खोले, तो क्या हुआ? पेरिस को देख लो। लंदन में देख लो। वे अब पहचानने लायक नहीं हैं। हम अमरीका के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। हमारे पास अविश्वसनीय संस्कृति और परंपरा है। बहरहाल भारत में आम चुनाव का मौसम है। लोकसभा के लिए मतदान के चरण जारी हैं, लेकिन मारिया आलम खां ने ‘वोट जेहाद’ के जरिए मुसलमानों का आह्वान किया है। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी हैं।

देश में ऐसी 121 भाषाएं हैं जिन्हें क्षेत्रीय लोग स्थानीय स्तर पर लिखने व बोलने में प्रयोग करते हैं

भाषाओं को बचाने की भारतीय पहल

प्रमोद भार्गव

> पिछले 75 सालों में हमारी भाषाओं और बोलियों के साथ यही होता रहा है, परंतु अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को लागू करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए केंद्र सरकार नए सत्र से पांच नए उपाय करने जा रही है। इनमें बच्चों को मातृ, घरेलू और क्षेत्रीय भाषा में पाठ्य पुस्तकें पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 52 प्रवेशिकाएं अर्थात पाठ्य-पुस्तकें तैयार की गई हैं। इनसे छात्र-छात्राओं से लेकर वयस्क तक वर्णमाला और दो अंकों तक गणित सीख सकेंगे। पहले चरण में 17 राज्यों की राजभाषा व स्थानीय भाषा में 52 पुस्तकें मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने तैयार की हैं।

कोई भी भाषा जब मातृभाषा नहीं रह जाती तो उसके प्रयोग की अनिवार्यता में कमी और उससे मिलने वाले रोजगार मूलक कार्यों में भी कमी आने लगती है। पिछले 75 सालों में हमारी भाषाओं और बोलियों के साथ यही होता रहा है, परंतु अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को लागू करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए केंद्र सरकार नए सत्र से पांच नए उपाय करने जा रही है। इनमें बच्चों को मातृ, घरेलू और क्षेत्रीय भाषा में पाठ्य पुस्तकें पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 52 प्रवेशिकाएं अर्थात पाठ्य-पुस्तकें तैयार की गई हैं। इनसे छात्र-छात्राओं से लेकर वयस्क तक वर्णमाला और दो अंकों तक गणित सीख सकेंगे। पहले चरण में 17 राज्यों की राजभाषा व स्थानीय भाषा में 52 पुस्तकें मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने तैयार की हैं। देश में ऐसी 121 भाषाएं हैं जिन्हें क्षेत्रीय लोग स्थानीय स्तर पर लिखने व बोलने में प्रयोग करते हैं। जल्दी ही देश के बाकी राज्यों की आंचलिक भाषाओं में प्रवेशिका उपलब्ध करा दी जाएंगी। इन पाठ्य पुस्तकों का उपलब्ध होना न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि विलोपित हो रही मातृभाषाओं का अस्तित्व बचाए रखने की परिवर्तनकारी पहल है। यह पहल निर्बाध और भविष्यवादी शिक्षण परिदृश्य तैयार कर भारतीय भाषाओं में सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। इससे नई शिक्षा नीति का दृष्टिकोण साकार होगा और शालेय शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। सरकार ने राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र का राज्य इकाइयों व 200 डीटीएच चैनलों के साथ एकीकरण का निर्णय भी लिया है। इस हेतु सरकार ने 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 22 क्षेत्रीय व प्रादेशिक भाषाओं में चैनल तैयार कर लिए हैं। ये बिना इंटरनेट चलेंगे। भविष्य में ये चैनल ओटीटी और यू-ट्यूब पर भी उपलब्ध होंगे। भारत में ऐसे हालात सामने भी आने लगे हैं कि किसी एक इनसान की मौत के साथ उसकी भाषा का भी अंतिम संस्कार हो जाए। 26 जनवरी 2010 को अंडमान द्वीप समूह की 85 वर्षीय बोआ के निधन के साथ ग्रेट-अंडमानी भाषा ‘बो’ भी

हमेशा के लिए विलुप्त हो गई। इस भाषा को जानने, बोलने और लिखने वाली वे अंतिम इनसान थीं। इसके पूर्व नवंबर 2009 में एक और महिला बोरो की मौत के साथ खोरा भाषा का अस्तित्व समाप्त हो गया था। नेशनल ज्योग्राफिक सोसायटी एंड लिविंग टंग्स इंस्टीट्यूट फॉर एंडेंजर्ड लैंग्वेजेज के अनुसार हरेक पखवाड़े एक भाषा की मौत हो रही है। सन् 2100 तक भूमण्डल में बोली जाने वाली सात हजार से भी अधिक भाषाओं का लोप हो सकता है। इस दायरे में आने वाली खासतौर से आदिवासी व जनजातीय भाषाएं हैं जो लगातार उपेक्षा का शिकार होने के कारण विलुप्त हो रही हैं। ये भाषाएं बहुत उन्नत हैं और पारंपरिक ज्ञान का भंडार हैं। भारत सरकार ने उन भाषाओं के आंकड़ों का संग्रह किया है जिन्हें 10 हजार से अधिक लोग बोलते हैं। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार ऐसी 121 भाषाएं और 234 मातृभाषाएं हैं। भाषा-गणना की ऐसी बाध्यकारी शर्त के चलते जिन भाषा व बोलियों को बोलने वाले लोगों की संख्या 10 हजार से कम है, उन्हें गिनती में शामिल ही नहीं किया गया। पूरी दुनिया में सात्ताईस सौ भाषाएं संकटग्रस्त हैं। इन भाषाओं में असम की 17 भाषाएं शामिल हैं। यूनेस्को द्वारा जारी एक जानकारी के मुताबिक असम की देवरी, मिसिंग, कछारी, बेइटे, तिवा और कोच राजवंशी सबसे संकटग्रस्त भाषाएं हैं। इन भाषा-बोलियों का प्रचलन लगातार कम हो रहा है। नई पीढ़ी के सरोकार असमिया, हिन्दी और अंग्रेजी तक सिमट गए हैं। इसके बावजूद 28 हजार लोग देवरीभाषी, मिसिंगभाषी साढ़े पांच लाख और बेइटेभाषी करीब 19 हजार लोग अभी बाकी हैं। इनके अलावा असम की बोडो, कार्बो, डिमासा, विष्णुप्रिया, मणिपुरी और काकबरक भाषाओं के जानकार भी लगातार सिमटते जा रहे हैं। वे ही भाषाएं बोलियों और लिपियों के रूप में जीवित रह सकती हैं जो उपयोग में बनी रहें। पूरी दुनिया में 15 हजार से अधिक भाषाएं दर्ज हैं, लेकिन आज उनमें से आधी से ज्यादा मर गई हैं। इसका कारण इन्हें उपयोग से वंचित कर देना है। कई लोग भाषाओं की विलुप्ति का कारण आक्रांताओं के हमलों को मानते हैं। भारत में भी इस स्थिति को भाषाओं की विलुप्ति का कारण माना गया, लेकिन यह तथ्य थोथा है। फ्रांस में भी यह भ्रम फैला हुआ है। फ्रेंच भाषियों को यह आशंका सता रही है कि वहां की युवा पीढ़ी अंग्रेजी के प्रति आकर्षित है, इसलिए वहां अंग्रेजी से मुक्ति के उपाय सुझाए जा रहे हैं। नाइजीरिया और केमरून की बिक्या भाषाएं प्रयोग में नहीं रहने के कारण लुप्त हुईं। इस भाषा को प्रचलन में बनाए रखने वाले एक-एक कर जब मरते चले गए तो उनके साथ भाषा भी काल में समाती चली गई। वर्तमान में विश्व की 90 प्रतिशत भाषाओं और बोलियों पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। वैसे भाषाओं का मरना हर युग और हर देश में एक सिलसिला बना रहा है। भारत की सबसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि को आज बांचने वाला कोई नहीं है। विकास के साथ जो भाषा जुड़ी होती है, उसकी जीवंतता बनी रहती है। आज अंग्रेजी जहां भाषाओं की विलुप्तता की दृष्टि से खलनायिका साबित हो रही है, वहीं इसके महत्व को एकाएक इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आधुनिक तकनीक के व्यावहारिक और व्यावसायिक उपयोग का विश्वव्यापी आधार बन गई है। दुनिया की युवा पीढ़ी विश्व समाज से जुडने के लिए अंग्रेजी की ओर आकर्षित है, लेकिन यदि अंग्रेजी इसी तरह पैर पसारती रही तो दुनिया में भाषाई एकरूपता छा जाएगी, जिसकी वटवृक्षी छाया में अनेक भाषाएं मर जाएंगी। भारत की तमाम स्थानीय भाषाएं व बोलियां अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण संकटग्रस्त हैं।

दृष्टि कोण

चुनावी समय में सोशल मीडिया बना चाणक्य

आज के समय में वही उम्मीदवार जनता का पसंदीदा बन जाता है जो सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंच बनाता है क्योंकि जो दिखाता है वही बिकता है, इसी बाजार की रणनीति को आज सभी राजनीतिक पार्टियां अपना रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि विज्ञापन को जांचने व परखने के लिए कई जांच एजेंसियां व प्रतियोगी कंपनियां अन्य कंपनियों के खिलाफ भ्रामकता के आधार पर कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं। इसका हालिया उदाहरण देखने को मिला कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन देने के लिए फटकार लगाई और इसके साथ-साथ इस कंपनी के खिलाफ याचिकाकर्ता इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने एलोपैथी डॉक्टरों द्वारा मरीजों को कथित तौर पर महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखने पर नाराजगी जताई है। इस मुद्दे से कोर्ट का जनता के शरीर पर पडने वाले नकारात्मक असर का चिंतन तो उजागर होता है, लेकिन हर दिन सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले कटेंट का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले नकारात्मक प्रभाव की जिम्मेवारी कौन लेगा? इन दिनों चुनावी समय में तो हर राजनीतिक पार्टी स्वयं भी और इंफलुएंसर के माध्यम से देश के हर तबके तक पहुंचने के लिए प्रभावी सामग्री का प्रयोग अनिवार्य रूप से कर रही है। यह सामग्री कितनी सही है और कितनी गलत, इसके लिए न तो कोई सरकारी मशीनरी है और न ही कोई एजेंसी। हालांकि चुनाव आयोग सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव प्रसार संबंधित सामग्री को जांचने के लिए हर जिले व राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से मॉनिटरिंग कर रहा है, लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में सामग्री साधारण न होकर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस से भी बनाई जा रही है जिससे निपटना बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा चुनाव आयोग तो आचार संहिता लागू होने के बाद से ही एक्टिव हुआ है, लेकिन राजनीतिक पार्टियां पिछले एक साल से अपने प्रचार-प्रसार में जुट गई हैं। यह बात इससे सिद्ध होती है कि यह वर्ष शुरू होते ही चुनावों को देखते हुए देश की राजनीतिक पार्टियों ने पहले 2 से 3 महीनों में मेटा एवं गूगल विज्ञापन में 102.7 करोड़ खर्च कर दिए। वहीं भाजपा पिछले एक साल से सरल नाम की ऐप के जरिए जनता से संपर्क बनाने में लगी हुई है, जिसे लगभग 2.9 मिलियन लोग गूगल प्ले स्टोर के जरिए डाउनलोड कर चुके हैं। वहीं विपक्षी गठबंधन भी सामाजिक न्याय, किसान, युवा व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म से उठाकर बड़ा अभियान चला रहा है। लेकिन फिर सवाल सिर्फ इतना है कि इन पार्टियों द्वारा दी जा रही सूचना कितनी विश्वसनीय है? सोशल मीडिया के प्रति दीवानगी इतनी है कि डिजिटल सलाहकार फर्म केपियोस के मुताबिक दुनिया भर में 520 करोड़ लोग सोशल मीडिया की अलग-अलग साइट्स का प्रयोग करते हैं जिनकी संख्या सालाना 3 से 4 प्रतिशत बढ़ रही है। वहीं हमारे देश में आईआईएस रोहतक के एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 62 प्रतिशत युवा जानकारी के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म उपयोग करते हैं जिनमें से एक पुरुष औसतन स्क्रीन पर 6 घंटे 45 मिनट और महिला 7 घंटे 5 मिनट व्यतीत करती है। यानी कि सोशल मीडिया ही सूचना का मुख्य स्त्रोत बन चुका है। इस संदर्भ में सूचना का प्रवाह और उसकी संरचना मानवीय व्यवहार पर प्रभाव डाल रही है। चुनावी समय में पार्टियां अन्य समय से दुगनी रफ्तार के साथ अपने ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से जनता को जोडने की कोशिश करती हैं। जिस पार्टी की गति जितनी नवनीतम और तेज होती है वो उसी गति से नए वोटर व समर्थन हासिल करने में कामयाब हो जाती है। खास बात यह है कि इन सोशल मीडिया साइट्स के मालिक इस समय में नियंत्रण करने के बजाय मूकदर्शक बन जाते हैं क्योंकि यह समय पैसा बनाने का है। इस बिंदु पर न तो कोई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानून उन्हें नियंत्रण कर सकने में सक्षम है। इस मौके का फायदा उठाकर पार्टियां अनियंत्रित तरीके से नियोजित वर्ग में किसी भी तरीके से अपनी पहुंच बढ़ाती हैं और उनके आईटी सैल जनता की भावनाओं को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश करते हैं। सोशल मीडिया की एल्गोरिदम के कारण आपका हल्का सा भी झुकाव फेक न्यूज के जंजाल में फंसा देता है और जनता इको चैम्बर से बाहर ही नहीं निकल पाती। वो अभेद्य चक्रव्यूह बन जाता है जिसमें जनता बिना कुछ सोचे-समझे बस फंसती ही चली जाती है और रही-सही कसर डीपफेक वीडियो ने पूरी कर दी है जहां प्रसिद्ध व्यक्तियों को ढाल बनाकर कुछ गलत तत्व अपने उद्देश्यों को पूरा करने में लगे हुए हैं। इसका ताजा उदाहरण रणवीर सिंह एवं आमिर खान के साथ हुई घटना से पता लगता है। इन दुविधाओं का समाधान जनता की तार्किक सावधानी ही है, क्योंकि कोई सूचना जब अत्यधिक वेग, हिंसा व उत्तेजना पैदा करे तो शंकित होना लाजिमी है। कुछ देर ठहरिए और मन को शांत कर सोचिए। क्योंकि जनता के जुड़ाव के लिए असंख्य सूचना का ऐसा समुद्र खड़ा कर दिया गया है जिसमें तैरना स्वयं सीखना पड़ेगा।

कुछ अलग

नेता जी के पांव में छाले हैं...

कमाल करते हो भई आप। नेताजी के पांव में छाले हैं! जनता जनार्दन के दरवाजों तक पहुंचने के लिए वह कई दिनों से पैदल खाक छान रहे हैं। पांव में छाले पड़े हैं। और आप कह रहे हैं कि नेताजी छाए हुए हैं। छाले पडने को छा जाना कहते हैं क्या? नेताजी की पीड़ा को न तो हाईकमान समझ रहा है और न ही नेताजी के चेले चांटे। नेताजी को ऐसे हल्के से चुनाव मैदान में उतार दिया गया है, जिस हल्के की उन्होंने जिंदगी में शक्ल नहीं देखी थी। राजधानी में बैठकर सियासत के मजे लिए थे। इनडायरेक्ट जीतकर आते रहे थे। जुम्मा जुम्मा एक बार डायरेक्ट तौर पर चुनाव लड़ा था और उसी में लंका डूब गई थी। फिर इनडायरेक्ट तरीके से दूसरे सदन में पहुंचकर मंत्री बन गए। सत्ता के खूब मजे लिए। अपने राजनीतिक विरोधियों को डंडा देकर रखा। विरोधियों के खिलाफ साजिश रखने वालों को सर आंखों पर बैठाया। पाला पोसा। किचन कैबिनेट में बैठकर अपने राजनीतिक विरोधियों की चुगली की। लेकिन कभी सोचा नहीं था कि ग्रह नक्षत्र ऐसा रंग भी दिखाएंगे कि डायरेक्ट जनता के बीच जाकर अपनी लोकप्रियता साबित करनी पड़ जाएगी। अब नेताजी चूंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर का रसूख रखते हैं, इसलिए हाईकमान ने नेताजी की अंतरराष्ट्रीय इमेज का फायदा उठाने के लिए उन्हें चुनाव में उतार दिया है। नेताजी ने कभी जिंदगी में वोटों के लिए चरण वंदना नहीं की। आम आदमी की पीड़ा की कभी टोह नहीं ली। आम आदमी की आवाज कभी सदन में बुलंद नहीं की। पार्टी की रीढ़ कहे जाने वाले कार्यकर्ताओं से कभी संवाद नहीं किया। तो अब हाईकमान ने उन पर दाव खेल दिया है। नेताजी पर्वत पर्वत, घाटी घाटी, नगरी नगरी पैदल घूम रहे हैं। पांव में छाले पड़ गए हैं। जनता को अपना परिचय देना पड़ रहा है। जनता पूछ रही है कि आप कहां से आए हो और कब तक यहां रहोगे। इलाके में नेताजी का कोई घर नहीं है। होटल ही उनका घर है। होटल में आम आदमी जाता ही कहां है। यानी मुसीबत ही मुसीबत है। हाईकमान के सामने अपनी पीड़ा भी जाहिर नहीं कर सकते। अपने पांव के छालों की तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर भी नहीं डाल सकते। पब्लिक क्या समझेगी कि कितना नाजुक मिजाज नेता है। अपने छाले दिखा रहा है, लेकिन हमारे दिल के छाले नहीं देखे। जनता के सामने बड़ा दिल दिखाना पड़ता है और दिल धक धक कर रहा है। जब से पता चला है कि कोरोना का टीका खून में थक्के पैदा कर रहा है, तब से तो चुनाव प्रचार के बीच में जान गले में फंस गई है। हाईकमान के साथ-साथ उस टीके को भी कोस रहे हैं जो उन्होंने बाएं बाजू में लगवाया था। नेताजी की परेशानी यह भी है कि किसकी उपलब्धियों के नाम पर वोट मांगे जाएं। अपनी कौनसी उपलब्धि का बखान किया जाए। हाईकमान को तो कोई बलि का बकरा चाहिए था, सो चुनाव मैदान में उन्हें धकेल दिया गया। लेकिन अब बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी और जनता की बेरुखी कब तक रुलाएगी। आगे कुआं पीछे खाई है। नेताजी की इमेज पर बन आई है। हाईकमान मुस्कुरा रहा है। विरोधी तरस खा रहे हैं। पार्टी का कैडर जम्हाइयां ले रहा है। नेताजी पब्लिक को अपनी पहचान देते फिर रहे हैं। कुछ बहुत भावुक हो रही महिलाएं यह कह रही हैं कि नेताजी बहुत भोले हैं। खुद को पूरी तरह नहीं तोले हैं। अति विश्वास का शिकार हैं या शिकार बना दिए गए हैं। नेताजी के पांव में छाले हैं। और आप कह रहे हैं कि नेताजी छाए हुए हैं। राजनीति में कई बार भ्रम भी अपना जलवा दिखा देता है।

देश दुनीया से

अब मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में देरी पर सियासी घमासान

> विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई ‘खेला’ तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66 .14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66 .71 प्रतिशत वोट पड़े।

अगर कण-कण में भगवान है तो मानिए कि इस देश के जर्रे-जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ-साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक शुबहों की सुरंग से होकर गुजर रहा है। विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई ‘खेला’ तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे। अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमशः 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार- जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है। मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा-भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह-तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा। ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है। विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं। पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रश्न उठाए हैं। पहला यह कि दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है? दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है, कुल मतदान के आंकड़े बताने में उसे क्या परेशानी है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने तो आरोप लगाना शुरू भी कर दिया है कि चुनाव आयोग नतीजों में गड़बड़ी कर सकता है। आंकड़े जारी करने में यकीनन देरी हुई है।

आप का नजरीया

होटल इकाइयों के किरदार बदलो

हिमाचल में पर्यटन का ताज ओढ़े एचपीटीडीसी तथा एचआरटीसी के घाटों को समझें, तो यह राज्य किस क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। आश्चर्य यह कि 55 होटलों का संचालन कर रहा हिमाचल पर्यटन निगम 31 इकाइयों की वित्तीय लाज नहीं बचा पा रहा। ताज्जुब यह कि चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, चंबा, बिलासपुर, कुल्लू-मनाली, शिमला, धर्मशाला-मकलोडगंज व औद्योगिक क्षेत्र परवाणू तक के होटल घाटा पैदा कर रहे हैं। बावजूद इसके हमारे पास एशियन विकास बैंक से इतना ऋण तो मिल ही जाएगा कि आने वाले वर्षों में कुछ और राजनीतिक इकाइयां खोल लेंगे। इससे क्या फर्क पड़ता कि हिमाचल में करीब पौने दो करोड़ सैलानी आ रहे हैं या आगामी लक्ष्य पांच करोड़ का है। आश्चर्य यह कि बढ़ते सैलानी निजी वोल्वो बसों में बैठकर प्राइवेट होटलों को अधिमान दे रहे हैं, जबकि एचपीटीडीसी व एचआरटीसी के पास बेहतरीन स्टाफ तथा उच्च काबिलीयत के अधिकारियों के अलावा बेहतरीन साइट्स व संपत्तियां हैं। मुख्य तौर पर न योजनाओं में व्यावसायिक दृष्टि है और न ही प्रबंधन में इस तरह के सरोकार हैं, जो पल-पल बदलते उद्योग की जरूरतें समझ सकें। उदाहरण के लिए धर्मशाला की पांच इकाइयों में से तीन घाटे पर हैं, तो यह करामात निठल्लेपन और उबाऊ ठहराव की है। महामहिम दलाईलामा के प्रवास, प्रवासी तिब्बती सरकार के मुख्यालय के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ने धर्मशाला में हर बड़ी होटल शृंखला को अपनी इकाई चलाने का मौका दिया, लेकिन हिमाचल पर्यटन निगम अपनी बूढ़ी लीलन, क्रॉकरी और थकी हुई अधोसंरचना से निजात नहीं पाना चाहता, नतीजतन जब सारे निजी होटल बुक हो जाएं तो सरकारी इकाइयों में स्थान ढूंढा जा सकता है। कब तक सरकारी होटलों को कुल्लू-मनाली, शिमला या मकलोडगंज में भी घाटे की माला पहननी पड़ेगी। घाटे के होटलों की शृंखला बनाने के बजाय इनकी उपयोगिता बढ़ाने का सोचना होगा। मसलन परवाणू या बीबीएन में पर्यटन निगम की इकाइयां वो कमाल कर सकती हैं, जिसके लिए ये औद्योगिक शहर चंडीगढ़ या पंचकूला का रुख करते हैं। प्रदेश के हर शहर और कस्बे में पर्यटन निगम वेडिंग जोन, कान्फ्रेंस एरिया, शॉपिंग परिसर तथा वे साइड फूड मार्ट स्थापित करे, तो हंगामा हो सकता है। पर्यटन निगम को हाईवे पर्यटन की अधोसंरचना स्थापित करके प्रदेश के एचपीएमसी, मिल्क फेडरेशन व हथकरघा निगम के साथ उपहार तथा खानपान के केंद्रों की लाभकारी उपस्थिति दर्ज कर सकता है। हैरानी यह कि धार्मिक स्थलों की इकाइयां या यात्री निवास जैसे बजट होटल भी घाटे में हैं। कारण यही कि इन परिसरों को कमजोर प्रदर्शन के लिए छोड़ दिया गया है। हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम की अंतरराज्यीय बसों की बुकिंग के साथ एचपीटीडीसी के होटलों की बुकिंग जोड़ दी जाए, तो नित नए रूट शुरू करने के साथ सरकारी होटलों की आक्यूपेंसी भी बढ़ सकती है। जिस दिन एचआरटीसी व पर्यटन निगम का एमडी एक ही अधिकारी होगा, हिमाचल आने वाले यात्री पर्यटक बन जाएंगे।

सपा-बसपा के लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए लड़ रहे चुनाव : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

इटावा (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के इटावा में एक चुनावी जनसभा में विपक्षी दलों के परिवारवाद पर कड़ा तंज कसा। उन्होंने कहा कि सपा-बसपा के लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि मोदी और योगी के पास बाल-बच्चे नहीं हैं। जनता ही उनका परिवार है। मोदी-योगी आपके बच्चों के भविष्य के लिए जीवन खपा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साथियों, इन परिवारवादियों की विरासत क्या है? इनकी विरासत गाड़ी, बंगला और रसूख है। कोई इटावा, मैनपुरी और कन्नौज को अपनी जागीर मानता है तो कोई अमेठी, रायबरेली को अपनी विरासत मानता है। मोदी की विरासत गरीब को मिला मकान, शौचालय, बिजली, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज है। मोदी की विरासत आपके बच्चों के लिए बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। कौन जानता है कि 2047 में आपका ही बेटा मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री बने। शाही परिवार का ही बेटा सीएम पीएम बने, चाय वाले ने यह प्रथा तोड़ दी है। जैसे राजा राम मोहन राय के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने कुप्रथा तोड़ दी। ऐसे ही भविष्य में मेरे बारे में कहा जाएगा कि एक चायवाले ने शाही परिवारों से ही सीएम पीएम बनने की कुप्रथा तोड़ी थी। अब कोई भी सीएम पीएम बन सकता है। तीन लोकसभा क्षेत्रों- इटावा, कन्नौज और मैनपुरी के लिए आयोजित इस जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण के दौरान इस पूरे क्षेत्र को भावनात्मक रूप से जोड़ते दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने मुलायम सिंह यादव को याद करते हुए कहा कि 2019 में संसद में उन्होंने कहा था कि भाजपा की एक बार फिर सरकार बनने जा रही है। मोदी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उनका वह आशीर्वाद लग गया। इस चुनाव में वह नहीं हैं लेकिन उनके भाई हमारी सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि विपक्ष के लोग केवल झूठ बोल रहे हैं। कोरोना काल में भी इन लोगों ने झूठ फैलाया। वैक्सीन के बारे में भ्रम फैलाए। खुद चोरी-चुपके वैक्सीन

लगवाए और गरीबों को लगवाने से मना कर रहे थे। यह लोग अब संविधान के बारे में भ्रम फैला रहे हैं। सपा, कांग्रेस समेत सारी कम्पनी एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण छीन कर मुस्लिमों को दे रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने रातों-रात मुस्लिमों को ओबीसी में शामिल कर दिया। अगर यूपी में ऐसा हुआ तो यादव, मौर्य कुशवाहा बंधुओं का क्या होगा। यह लोग केवल अपना भला करते हैं। याद रखिए इन्हें अपने परिवार के बाहर का कोई भी यादव नहीं मिला। भाजपा में कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। मध्य प्रदेश में भाजपा के मुख्यमंत्री मोहन यादव बने हैं। पांच साल पहले कांग्रेस का शाही परिवार मंदिर मंदिर घूम रहा था। शहजादे ने तो कोट के ऊपर ही जनेऊ पहन लिया था। आज वह जनेऊ गायब है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। इन्हें भी निमंत्रण गया लेकिन इन लोगों ने निमंत्रण ठुकरा दिया। मैं कृष्ण द्वारा बनाई गई द्वारिका में समुद्र के नीचे गया और मोर पंखी भेंट की। अब कांग्रेस को यह अच्छा नहीं लगा। मै यादवों से पूछता हूं कि कांग्रेसी ऐसा करें तो करें लेकिन यदुवंशी शहजादे की आरती क्यों उतार रहे हैं। आप आरती उतारें, मोदी तो श्रीकृष्ण की आरती उतारेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने गुंडाराज पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा राज में खाली प्लाट पर अपना झण्डा गाड़ दिया करते थे। सीएम योगी ने पूरा उप्र बदल कर रख दिया है। कन्नौज का इत्र आज दुनिया में पहुंच रहा है। जी-20 में आए दुनियाभर के लोगों को कन्नौज का इत्र ही भेंट किया था। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दो चरण सम्पन्न हो चुके हैं। तीसरे चरण में सात और चौथे चरण में 13 मई को जनता जनार्दन भारत के भविष्य के लिए चुनाव करना है। एक तरफ देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले हैं दूसरी ओर देश की सुरक्षा और समृद्धि करने वाला मोदी का परिवार है। आज एक बार फिर मोदी सरकार बनाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इटावा की यह वही भूमि है जहां से लोग कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। पहले यहां बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। माफिया का बोलबाला था। आज यहां एक्सप्रेस-वे बन रहा है। क्षेत्र का विकास हो रहा है। जनता जनार्दन का समर्थन प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का यहां आगमन हुआ है। इस दौरान योगी ने इटावा के भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामशंकर कठेरिया, मैनपुरी से जयवीर सिंह, कन्नौज से सुब्रत पाठक को जिताने की अपील की।

भाजपा देश के विकास और राष्ट्र निर्माण की बात करती है : अश्विनी चौबे

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। भाजपा उम्मीदवार प्रदीप सिंह के पक्ष में प्रचार करने केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे पहुंचे और उन्होंने अररिया में एक बार फिर इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह लोग कभी मायी समीकरण बनाते हैं, तो कभी भूरा बाल साफ करने का नारा देते हैं। अपने खानदान को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। जबकि भाजपा देश के विकास और राष्ट्र निर्माण की बात करती है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग राजग के पक्ष में मतदान करें और फिर से एक बार पीएम मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं। उन्होंने कहा कि पिछले 26 अप्रैल को जो अररिया में मोदी जी यात्रा हुई थी। सचमुच में लोगों के अन्दर जो कंफ्यूजन होगा और कंफ्यूजन लगभग समाप्त हो गया होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि देश में विकास के नाम पर वोट होगा। अटल बिहारी वाजपेई पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने देश की धारा को बदलने का प्रयास किया है। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए मोदी जी ने चार चांद लगाने का काम किया है।

मोदी के 400 पार के नारे को पूरा करें ताकि देश कर सके और अधिक विकास : द ग्रेट खली

फिरोजाबाद (हिंस)। फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर रविवार को प्रचार के अंतिम दिन भाजपा ने अपनी ताकत दिखाई। भाजपा उम्मीदवार ने द ग्रेट खली के साथ रो शो किया। इस मौके पर खली ने जनता से प्रधानमंत्री मोदी के 400 पार के नारे को पूरा करने का आहवान किया। फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा। रविवार को प्रचार के अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ठा. विश्वदीप सिंह के रोड शो में भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व पहलवान दिलीप सिंह राणा जिन्हें *द ग्रेट खली* के नाम से भी जाना जाता है को बुलाया गया। खुली गाड़ी में ऊपर खड़े भाजपा उम्मीदवार ठा. विश्वदीप सिंह के साथ द ग्रेट खली आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान भाजपा सदर विधायक मनीष असीजा, महापौर कामिनी राठौर और जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह भी खुली गाड़ी में खड़े नजर आए। भाजपा का रोड शो राजा का ताल स्थित महाराणा प्रताप चौक से शुरू हुआ जो सुभाष तिराहा, गांधी पार्क चौराहा, सदर बाजार, घंटाघर, नालबंद चौराहा, नगला बरी चौराहा, शीतल खां रोड, सरकूलर

रोड, क्लब चौराहा से होता हुआ चुनाव कार्यालय होटल गर्ग पर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान लोग द ग्रेट खली की एक झलक पाने को बेताब नजर आए। इस दौरान भाजपा नेता दिलीप सिंह राणा *द ग्रेट खली* ने कहा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वोट करें और कमल खिलाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 400 पार के नारे को पूरा करें ताकि बड़े फैसले लिए जा सकें और हमारा देश और अधिक विकास कर सके। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे तथा द ग्रेट खली का जगहट्ठजगह पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया।

शिवपाल यादव का पुलिस पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप

बदायूं (हिंस)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने जिले के कई थाना अध्यक्षों पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी, चुनाव प्रेक्षक और एसएसपी से शिकायत की है। शिवपाल यादव रविवार को अपने बेटे व सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। शिवपाल यादव ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिले के मूसाझाग, विनाबर, कुंवरगांव, सहसवान, रजपुरा, वजीरगंज और सदर कोतवाल ने करीब 40 लोगों को उठा लिया है। उनमें से मूसाझाग थानाध्यक्ष ने 151 के तहत 31 लोगों पर चालान की कार्रवाई की है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने आरोप लगाया कि यह सभी थाना अध्यक्ष सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं।

जेल से बाहर आए बिहार के बाहुबली अनंत सिंह ने कहा, ललन सिंह को चार लाख वोटों से जिताएंगे

पटना (हिंस)। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के बीच बिहार में मोकामा के पूर्व विधायक एवं बाहुबली अनंत सिंह 15 दिनों के पेरोल पर रविवार सुबह जेल से बाहर आ गए। बेऊर जेल अधीक्षक जीतेंद्र कुमार ने बताया कि गृह विभाग से मिले आदेश की कॉपी जेल प्रशासन के पास आयी है। पूर्व विधायक अनंत सिंह को सुबह एम्बुलेंस से जेल से बाहर लाया गया। एम्बुलेंस से उतरकर वह निजी वाहन से आगे गए। जेल से बाहर आने की खुशी में सैकड़ों समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। मौके पर काफी भीड़ रही। वहां से वह रोड शो में शामिल हुए। जगह-जगह पर जेसीबी से उनके ऊपर फूलों की बारिश की गई और नारे लगाए गए। पटना से लेकर

मोकामा के बीच कई जगहों पर उनका स्वागत किया गया। जेल से बाहर आने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए अनंत सिंह ने कहा कि जेल से निकलने के बाद बाहर की खुली हवा में बहुत अच्छा लग रहा है। हम लोगों से घूम-घूम कर मिल रहे हैं। जनता से मिलने के बाद गांव में जमीन का बंटवारा करना है। उन्होंने कहा कि मुंगेर लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार ललन सिंह को इस बार चार लाख वोटों से जीत दिलायेंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक अनंत सिंह की तबीयत पिछले दिनों बहुत खराब हो गयी थी। उन्हें पटना के आईजीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अनंत सिंह ने जेल से बाहर आने का कारण स्वास्थ्य और जमीन का बंटवारा बताया है लेकिन 13 मई को चौथे चरण में मुंगेर में मतदान के देखते हुए सीधे-सीधे यह राजनीति खेल माना जा रहा है। क्योंकि, हाल ही में राजद छोड़कर जदयू में शामिल हुईं अनंत सिंह पत्नी ललन सिंह के लिए चुनाव प्रचार भी कर रही हैं। पूर्व विधायक अनंत सिंह को आर्म्स एक्ट के तहत पटना की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट के फैसले के बाद उनकी विधायकी भी चली गई थी।

आर्यन कुमार की मौत के 24 घंटे के अंदर राधा गोविंद स्कूल को मिला क्लीन चिट

रामगढ़ (हिंस)। रामगढ़ शहर के राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में पांचवी कक्षा के छात्र आर्यन कुमार की मौत को लेकर हर दिन नई बात सामने आ रही है। 24 घंटे के अंदर ही जिला प्रशासन की ओर से बनाई गई टीम ने स्कूल प्रबंधन को क्लीन चिट दे दिया। अब स्कूल प्रबंधन अपनी पीठ थपथपाने में लग गया है। रविवार को आनन-फानन में जांच रिपोर्ट के साथ स्कूल प्रबंधन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल डॉक्टर सुजीत कुमार मोहंती ने कहा कि उन्होंने घटना के बाद कोई लापरवाही नहीं बरती थी। यह बात जिला प्रशासन की जांच कमेटी ने भी स्पष्ट किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राधा गोविंद शिक्षा स्वास्थ्य ट्रस्ट की सचिव प्रियंका कुमारी, कोषाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, राधा गोविंद यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉक्टर निर्मल कुमार और स्कूल के प्रभारी प्राचार्य डीके सिंह भी मौजूद थे। राधा गोविंद स्कूल में पांचवी कक्षा के छात्र आर्यन की मौत के

बाद उसका पूरा परिवार सदमे में है। वह परिवार अभी तक इस घटना से उबर नहीं पाया है। एक बच्चा स्कूल में अचानक बेहोश होता है और चंद ही पलों के बाद उसकी मौत हो जाती है। इस मामले में स्कूल प्रबंधन की व्यवस्था, वहां बनाए गए हॉस्टल में रहने के इंतजाम, खाने-पीने की व्यवस्था और अन्य मैनेजमेंट पर गंभीरता से जांच करने के बजाय, बेहद जल्दबाजी में जांच रिपोर्ट सौंपना अपने आप में कई सवाल पैदा करता है। फिर उस जांच रिपोर्ट के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करना कहीं ना कहीं यह संकेत देता है कि विद्यालय को अपने नाम की चिंता ज्यादा है। छात्रों और उसके अभिभावकों के प्रति विद्यालय का असंवेदनशील होने का भी प्रतीक है। विद्यालय प्रबंधन को भी अपने कर्मचारियों के रवैये पर गौर करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान स्कूल के प्रिंसिपल सुजीत कुमार मोहंती ने आर्यन की बीमारी के मुद्दे पर भी अपना पल्ला झाड़ दिया। उन्होंने कहा कि बच्चे की बीमारी के विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। इस मुद्दे पर परिजनों से भी उनकी कोई स्पष्ट वार्ता नहीं हुई है। लेकिन इसके बावजूद बच्चे की मौत के बाद प्रबंधन की ओर से बच्चे की बीमार होने की खबर फैलाई गई। ऐसे गंभीर विषय पर कोई जवाब प्राचार्य ने नहीं दिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई थी। जिसमें जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी बबीता कुमारी और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुलोचना कुमारी शामिल थीं। इन लोगों ने छात्रों के बयान, केयर टेकर के बयान, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और विद्यालय के वार्डन के बयान के आधार पर प्रबंधन को क्लीन चिट दे दी। लेकिन इस कमेटी ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि विद्यालय में रहने की व्यवस्था सही है या नहीं। वाकई में वह विद्यालय आवासीय विद्यालय की श्रेणी में आता है या नहीं। हॉस्टल में रह रहे छात्रों के आवासन और खाने-पीने की व्यवस्था उचित है या नहीं। गौर करने वाली बात यह है कि अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने नहीं आया है। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इस बिंदु पर कोई भी चर्चा नहीं की है।

अभी अमेठी छोड़ी है वायनाड भी छोड़ेंगे राहुल गांधी : मुख्यमंत्री धामी

बदायूं (हिंस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय शाक्य के लिए रोड शो करने बदायूं पहुंचे। रोड शो करने से पहले मुख्यमंत्री धामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर कहा कि अमेठी कांग्रेस की परम्परागत सीट है। अमेठी से इंदिरा गांधी चुनाव हारी, राजीव गांधी चुनाव हारे, लेकिन उन्होंने कभी अमेठी की सीट नहीं छोड़ी। यह पहली बार है कि राहुल गांधी ने वहां का रण छोड़ दिया है, एक तरह से भाग गए हैं। यह देश की जनता देख रही, राहुल गांधी ने अभी अमेठी छोड़ी है। वह वायनाड भी छोड़ेंगे। अब कांग्रेस पार्टी कहीं नहीं है। वह अपनी परंपरागत सीट भी छोड़ रहे हैं, उनकी जमीन अब नहीं बची है। मुख्यमंत्री धामी ने यह भी कहा कि गठबंधन की हार होने वाली है, यह सारे हथकंडे अपनाते हैं

कभी कहते हैं भाजपा वाले आरक्षण खत्म कर देंगे, कभी कहते हैं संविधान खत्म करने वाले हैं। इनको पता है चार जून को जब परिणाम निकलेगा तो मोदी जी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। श्री धामी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने का काम किया है। जनता से उसे भली भांति देख रही है। आज उत्तर प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है, उत्तर प्रदेश में आज गरीब कल्याण योजनाएं चलाई जा रहीं है। जिसका जनता को लाभ मिल रहा है। पहले की सरकारों में अपराधियों का आतंक होता था। माफिया हावी होते थे, व्यापारी परेशान रहते थे, वसूली गैंग हावी रहते था। अब उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनकर उभर रहा है। सपा व बसपा की सरकारों में अपराधी हावी रहते थे, लेकिन आज उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हो गया है। पूरी तरह रह से कानून व्यवस्था का राज हो गया है। आज अपराधियों माफियाओं को ठीक ठिकानों पर ले जाने का काम उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है।

इंग्लिश मीडियम स्कूलों को फिर से हिंदी करना बेतुका : गहलोत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल का रिव्यू करने के फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निशाना साधा है। गहलोत ने भाजपा सरकार के फैसले को बेतुका और गरीब विरोधी बताकर इसका विरोध किया है। गहलोत ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा देने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूल शुरू किए थे। अगर इन स्कूलों में सुधार की आवश्यकता थी तो वर्तमान सरकार इसमें आवश्यक सुधार करती। लेकिन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को फिर से हिंदी माध्यम करना बेतुका और गरीब और मध्यम वर्ग के विरोध में लगता है। हिंदी तो हम सभी की मातृभाषा है। लेकिन अंग्रेजी माध्यम बच्चों को रोजगार के नए अवसर देता है। हमारी सरकार ने स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले थे। इनसे प्रदेश में एक अच्छा माहौल तैयार हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सरकार के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील भी की है। दरअसल, राजस्थान में चल रहे 2000 से ज्यादा महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को हिंदी मीडियम में बदलने की तैयारी चल रही है। शिक्षा विभाग ने जिला स्तर पर अधिकारियों से इंग्लिश मीडियम स्कूल के मौजूदा हालात, टीचर्स की संख्या, स्टूडेंट की संख्या के साथ 38 पॉइंट का रिव्यू कर उसे फिर से हिंदी मीडियम में शुरू करने की सिफारिश मांगी है।

रायबरेली : गांधी परिवार की सेफ सीट, लेकिन बहुत कठिन है डगर राहुल की

रायबरेली (हिंस)। गांधी परिवार के लिए रायबरेली हमेशा से सेफ सीट रही है। 1999 के चुनाव को यदि छोड़ दें तो सीधे तौर पर गांधी परिवार से जुड़ा व्यक्ति ही यहां से चुनाव लड़ा है। जिसमें 1996 और 1998 के अलावा सभी में वह विजयी रहे हैं। लेकिन 2024 के लिए यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण है कि क्या गांधी परिवार अपने गढ़ को बचा पाएगी? चुनावी आंकड़े तो कुछ यही इशारा कर रहे हैं कि 2014 के बाद लोकसभा और विधानसभा में जिस तरह से कांग्रेस के वोट प्रतिशत में गिरावट आई उससे राहुल गांधी के लिए डगर बहुत कठिन है। रायबरेली सीट पर गांधी परिवार का वर्चस्व रहा है और 2004 से लगातार कांग्रेस नेता सोनिया गांधी जीतती रही हैं, लेकिन पिछले चुनाव में उनका जीत का मार्जिन कम हो गया था। 2019 में सोनिया गांधी को 1 लाख 67 हजार वोटों के अंतर से जीत मिली थी, जबकि इसके पहले 2004, 2006, 2009 3 लाख वोट से अधिक अंतर

से जीतती रही हैं। 2019 में सोनिया गांधी के जीत का अंतर 17.23 प्रतिशत ही रह गया था और भाजपा के वोट प्रतिशत में जिस तरह झगड़ा हुआ था, कांग्रेस को मुश्किल में डालने वाला है। 2022 के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में आने वाले सभी पांचों विधानसभाओं के परिणाम तो कांग्रेस को और परेशान करने वाले हैं, जब किसी भी विधानसभा में पार्टी की जीत नहीं हुई। केवल बछरावां को यदि छोड़ दें तो ऊंचाहार, रायबरेली, हरचंदपुर और सरेनी सभी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत काफी कम रह है। रायबरेली विधानसभा सीट पर कांग्रेस को 6.50 और ऊंचाहार में 4.71 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। जबकि हरचंदपुर में 8 प्रतिशत वोट मिले हैं। केवल बछरावां और सरेनी में पार्टी 15 प्रतिशत से ज्यादा वोट पा सकी। इसके भी पीछे प्रत्याशियों का अपना मजबूत प्रभाव बताया जा रहा है। यह कांग्रेस के रणनीतिकारों के लिए बेहद कड़ी चुनौती है। जिसका समान इंडी गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी को करना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में रायबरेली के 5 में से 4 सीटों पर सपा ने जीत दर्ज कर ली, जबकि एक सीट बीजेपी के खाते में गई, मतलब साफ है कि लोग कांग्रेस को वोट नहीं देना चाहते हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा ने समाजवादी पार्टी पिछले कई चुनावों से रायबरेली में अपना प्रत्याशी नहीं खड़ी करती रही है और इस बार भी सपा इंडी गठबंधन में है। सपा ने विधानसभा चुनावों में जिस तरह का प्रदर्शन किया है उससे साफ है कि राहुल का चुनावी सफलता का पूरा दारोमदार सपा पर ही रहेगा। हालांकि बसपा के ठाकुर प्रसाद यादव की कोशिश जरुर होगी कि वह सपा के मूल वोट बैंक में सेंध लगाएं लेकिन इसमें वह कितना सफल हो पाएंगे, यह समय बताएगा, लेकिन राहुल की नैया सपा के भरोसे ही है। जिसको लेकर कांग्रेस पार्टी को बड़ी उम्मीदें हैं कि किसी तरह सपा का मजबूत वोट बैंक आसानी से कांग्रेस की ओर ट्रांसफर हो जाए।

राजस्थान : दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेस वे हादसे में 6 की मौत

सवाईमाधोपुर (हिंस)। सवाईमाधोपुर जिले के बौंली थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर रविवार सुबह हुए हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। हादसे में दो बच्चे घायल हुए हैं। कार सवार सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस के अनुसार सीकर से एक परिवार कार से रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर दर्शन करने जा रहा था। इसी दौरान रविवार सुबह 8 बजे बौंली थाना क्षेत्र में बनास पुलिया के पास हादसा हो गया। कार को टक्कर किस वाहन ने मारी है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। बौंली थाना अधिकारी धर्मपाल के अनुसार हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शवों को बड़ी मशक्कत करके बाहर निकाला गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार मृतकों में अनीता पत्नी मनीष शर्मा, संतोष पत्नी कैलाश शर्मा, कैलाश पुत्र राम अवतार शर्मा, पूनम पत्नी सतीश शर्मा, मनीष पुत्र रामावतार शर्मा व सतीश शर्मा हैं।

प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले ईसी से ली गई अनुमति, केंद्र ने कहा- कीमतें स्थिर रहेंगी

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने हाल ही में प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने का एलान किया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि देश में लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली। बता दें, इस फैसले का सीधा असर प्याज की खेती करने वाले करोड़ों किसानों के साथ ही उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा।

प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली - एक समाचार एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग ने 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्तों के तहत प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली है।

किसानों को मदद मिलेगी - सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। इससे बड़ी संख्या में किसानों को मदद मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब महाराष्ट्र सहित कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है।

40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया - सरकार 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) के साथ ही 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है। इस शुल्क को देखते हुए 770 डॉलर प्रति टन या 64 रुपये प्रति किलोग्राम से कम भाव पर प्याज निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का निर्णय उपभोक्ता मामलों के विभाग की सिफारिश पर लिया गया है। विभाग देश में प्याज की उपलब्धता और कीमत की स्थिति पर नजर रखता है।

इतने टन प्याज का निर्यात हुआ - पिछले साल आठ दिसंबर को केंद्र ने उत्पादन में संभावित गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले चार-पांच साल के दौरान देश से सालाना 17 लाख से 25 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ है।

कीमतें स्थिर रहेंगी - उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कीमतें स्थिर रहेंगी। अगर कोई बढ़ोतरी होती है, तो यह बहुत मामूली होनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

दो साल में देश में सेमीकंडक्टरों की मांग 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

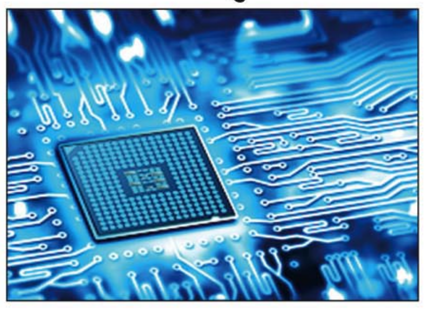

नई दिल्ली। भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 अरब डॉलर पर पहुंचने का लक्ष्य रखा है। इससे सेमीकंडक्टरों की मांग बढ़कर 90-100 अरब डॉलर पर पहुंच जायेगी, जिसमें घरेलू मोबाइल विनिर्माण का सबसे ज्यादा योगदान होगा - एक ऐसा अवसर जिसे हाथ से जाने नहीं देना चाहिये। इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने एक रिपोर्ट में बताया कि आम तौर पर किसी इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद की लागत का 25 से 30 प्रतिशत चिप के मद में खर्च होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग का आकार 103 अरब डॉलर का है जिसके लिए करीब 26-31 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर की जरूरत होती है। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में संभावित बढ़ोतरी (वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 अरब डॉलर) के मद्देनजर यह आंकड़ा बढ़कर 90-100 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। पिछले सात साल में देश के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में मोबाइल फोन की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़कर 44 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का आयात 16.14 अरब डॉलर रहा था जिसमें 12 अरब डॉलर के आईसी का आयात मोबाइल फोन विनिर्माण के लिए किया गया था। आईसीईए ने बताया कि हाई एंड फोनों में इस्तेमाल होने वाले प्रोसेसर चिप के प्रतिस्पर्द्धी स्तर पर देश में विनिर्माण के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है। उसने कहा, हालांकि कम कीमत वाले स्मार्टफोनों के लिए देश में प्रोसेसर चिप के विनिर्माण में काफी संभावनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेमीकंडक्टर का घरेलू विनिर्माण बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत है।

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कामकाज नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं। भारत में हर दिन की

तरह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जारी कर दी गई है। हर रोज सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां ईंधन के नए भाव जारी करती हैं। देश के कुछ राज्यों व शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़े हैं जबकि कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा और झारखंड समेत कुछ प्रदेशों में भाव घटे हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार, 30 किलोमीटर का माइलेज

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार बन गई है। यह 7 सीटर बेहतरीन इंजन और माइलेज के साथ आती है। कंपनी कार को सीएनजी वेरिएंट में भी ऑफर करती है। आइए आपको बताते हैं इसमें क्या खास है और क्यों ये कार लोगों की पसंद लगातार बनी हुई है। अर्टिगा की कीमत की बात की जाए तो इसका बेस वेरिएंट 8.69 लाख रुपये की एक्स शोरूम में उपलब्ध है। वहीं कार का टॉप वेरिएंट 13.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) कीमत पर मिल रहा है। कार के अलग-अलग वैरिएंट में आपको 7-इंच स्मार्टप्ले प्रो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी (टेलीमेटिक्स), क्रूज कंट्रोल, ऑटो हेडलैंप्स, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, पैडल शिफ्टर्स, 4 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, ब्रेक असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर्स, आईएसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज, ईएसपी के साथ हिल होल्ड कंट्रोल जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं। कार में मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन भी मिलता है। वहीं नेक्सॉन की बात की जाए तो 1.2 लीटर इंजन के साथ आती है।

एफएसएसएआई का दावा- मसालों में 10 गुना ज्यादा कीटनाशक को मंजूरी वाली खबरें निराधार

नई दिल्ली ।
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 10 गुना ज्यादा पेस्टीसाइड को मंजूरी देने वाली खबरों पर सफाई जारी की है। उसने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर ने जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की मंजूरी दी है। एफएसएसएआई ने कहा कि ऐसी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं।

कीटनाशक मिलाने की सीमा दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक

एक प्रेस जारी कर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत में अधिकतम अवशेष सीमा यानी कीटनाशक मिलाने की सीमा दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। वहीं कीटनाशकों के एमआरएल उनके खतरे के आकलन के आधार पर खाने की अलग-अलग चीजों के लिए अलग-अलग तय किए जाते है।

एफएसएसएआई का कहना है कि भारत में कीटनाशकों को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की तरफ से कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत बनाई गई केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी और आरसी) के माध्यम से विनियमित किया जाता है। सीआईबी और आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, आयात, निर्यात, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज आदि को विनियमित करते हैं।

आईबी और आरसी से मिले आंकड़ों की करता है जांच

एफएसएसएआई का कीटनाशक अवशेषों की जांच के लिए बनाया गया साइंटिफिक पैनल सीआईबी और आरसी से मिले आंकड़ों को जांचता है। इसके बाद सभी खतरे से जुड़े आंकड़ों की जांच के बाद एमआरएल तय किए जाते हैं। इस दौरान भारत के लोगों की डाइट और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं को भी ध्यान में रखा जाता है।

केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड कुछ कीटनाशक है। उदाहरण के लिए, विभिन्न एमआरएल वाली कई फसलों पर मोनोक्रोटोफॉस के उपयोग की अनुमति है जैसे चावल 0.03 मिलीग्राम/किग्रा, खट्टे फल 0.2 मिलीग्राम/किग्रा, कॉफी बीन्स 0.1 मिलीग्राम/किग्रा और इलायची 0.5 मिलीग्राम/किग्रा, मिर्च 0.2 मिलीग्राम /किलोग्राम।

केवल एक कीटनाशक के लिए बढ़ाई थी लिमिट

हालांकि एफएसएसएआई ने माना कि कुछ कीटनाशक जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं। उनके लिए यह लिमिट 0.01 से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल की सलाह पर ही किया गया था। एफएसएसएआई ने कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर एमआरएल नियमित रूप से संशोधित होते रहते हैं। यह प्रक्रिया वैश्विक मानकों के अनुरूप है और यह सुनिश्चित करता है कि एमआरएल संशोधन वैज्ञानिक रूप से मान्य आधार पर किए जाते हैं, जो नवीनतम निष्कर्षों और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को दर्शाते हैं।

ट्रेडमार्क पर विवाद को लेकर टेस्ला गुरुग्राम की कंपनी के खिलाफ कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला इंक ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एलन मस्क की कंपनी ने गुरुग्राम बेस्ड कंपनी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला ट्रेडमार्क के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है जिस कंपनी के खिलाफ टेस्ला इंक हाई कोर्ट पहुंची है, उसका नाम टेस्ला पावर इंडिया है। टेस्ला इंक ने हाई कोर्ट से मांग की है कि वह टेस्ला पावर इंडिया को ट्रेडमार्क टेस्ला का इस्तेमाल करने से रोके। टेस्ला इंक की ओर से कोर्ट में पेश हुए एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ट्रेडमार्क के गलत इस्तेमाल से अमेरिकी कंपनी की प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है और उसके व्यावसायिक हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाम के इस्तेमाल से ग्राहकों को भी भ्रम हो रहा है। टेस्ला पावर की बैटरी के खिलाफ आने वाली शिकायतें अमेरिकी कंपनी ईवी मेकर टेस्ला इंक को रिडाइरेक्ट कर दी जा रही हैं, क्योंकि ग्राहक उसे एलन मस्क की कंपनी से जुड़ा हुआ मान ले रहे हैं। अधिवक्ता का आरोप है कि गुरुग्राम बेस्ड कंपनी टेस्ला पावर अपनी बैटरियों का अखबारों में विज्ञापन दे रही है, जिनमें वह खुद को एक इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी के रूप में दिखा रही है। इतना ही नहीं, बल्कि गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर अमेरिकी कंपनी के लोगो का भी इस्तेमाल कर रही है। अमेरिकी कंपनी की याचिका के बाद कोर्ट ने गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर को नोटिस जारी किया।

पेटीएम की मूल कंपनी के अध्यक्ष भावेश गुप्ता ने दिया इस्तीफा कहा- निजी कारणों से छोड़ा पद

नई दिल्ली ।
पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और सीओओ भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। जारी किए गए आधिकारिक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि भावेश गुप्ता कंपनी में ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान और ऋण व्यवसाय समेत अन्य कार्यों का संचालन कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि गुप्ता ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दिया है। वह 31 मई को कंपनी की सेवाओं से मुक्त हो जाएंगे। हालांकि, वह इस साल के आखिर तक कंपनी के साथ सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे। भावेश गुप्ता पेटीएम के साथ अगस्त 2020 में जुड़े थे।

वन97 कम्युनिकेशंस का बयान

वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड का कहना है कि कंपनी अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पेटीएम के सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ सीधे काम करने के लिए अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार किया है। कंपनी ने कहा है कि पेटीएम के भुगतान और क्रेडिट व्यवसायों का नेतृत्व जिन अधिकारियों द्वारा किया जाता है, उनमें से हर किसी के पास पेटीएम में पांच साल से अधिक का अनुभव है। यह अनुभवी नेतृत्व टीम अब सीधे पेटीएम के सीईओ के साथ काम करेगी। आगे कहा गया है कि कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से करियर से ब्रेक लेने का फैसला किया है। हालांकि, वह एक सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे।

टीम में हुए हैं ये बदलाव

हाल ही में राकेश सिंह को पेटीएम मनी लिमिटेड (पीएमएल) के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले राकेश सिंह फिस्डोम में स्टॉक ब्रोकिंग व्यवसाय के सीईओ थे। वह आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में प्रमुख प्रबंधन पदों पर रहे हैं। इसके अलावा कंपनी ने बताया कि पेटीएम मनी लिमिटेड के पूर्व प्रमुख वरुण श्रीधर अब पीएसपीएल में सीईओ के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा का कहना है कि भुगतान और उधार पर कंपनी का फोकस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है।

रिजर्व बैंक ने मार्च में खरीदा पांच टन सोना दुनियाभर के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली।
मार्च में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने करीब 5 टन सोना खरीदा। भारत ही नहीं दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक मार्च में तुर्किये के केंद्रीय बैंक ने सबसे ज्यादा 14 सोना खरीदा है। इसके अलावा चीन के केंद्रीय बैंक ने भी 5 टन सोना खरीदा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर हैं, जिन्होंने 4-4 टन सोना खरीदी है। इसके अलावा रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है।

युद्ध व वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चिता की वजह से केंद्रीय बैंकों का भरोसा सोने में बढ़ रहा है। खासतौर पर बाजार की अस्थिर और मुद्रास्फीति के दबाव को सहने के लिए स्वर्ण भंडार अहम होता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही में दुनियाभर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी तक बढ़ी है।

शीर्ष पर आरबीआई का स्वर्ण भंडार

आरबीआई का स्वर्ण भंडार 800 टन से ऊपर अब तक के शीर्ष स्तर पर है। इस साल आरबीआई ने कुल 18.5 टन सोना खरीदा है। अप्रैल की शुरुआत में रिजर्व बैंक के पास करीब 822.1 टन स्वर्ण भंडार था।

सिंगापुर और भारत के बीच फलते-फूलते रहेंगे संबंध वांग के पीएम बनने को लेकर एसआईसीसीआई

सिंगापुर ।
सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देंगे। लूंग की जगह उप प्रधानमंत्री (डिप्टी) लॉरेंस वोंग लेंगे। इसी को लेकर सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) का कहना है कि भारत के साथ सिंगापुर के संबंध नए प्रधानमंत्री वोंग के नेतृत्व में फलते-फूलते रहेंगे। बता दें, लॉरेंस वोंग 15 मई को शपथ लेंगे।

वोंग को नेतृत्व सौंपने की तैयारी

एसआईसीसीआई के अध्यक्ष नील पारेख ने चैंबर के शताब्दी समारोह में कहा, पीएम लूंग उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को नेतृत्व सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि सिंगापुर और भारत के बीच के संबंध आगे बढ़ते रहेंगे।

दोनों देशों के बीच संबंध सुधरे

उन्होंने एसआईसीसीआई शताब्दी समारोह के मौके पर हुए रात्रिभोज में कहा, दोनों देशों के बीच संबंध तब और सुधर गए, जब वोंग ने भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इसने दोनों देशों के बीच लंबे समय के संबंधों के लिए मंच तैयार किया है।

सीईसीए को लेकर काम करने की सलाह

एसआईसीसीआई भारत और उसके नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने में सिंगापुर सरकार का एक महत्वपूर्ण भागीदार भी है। एसआईसीसीआई के प्रबंधन ने जून 2005 में दोनों देशों द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को ठीक करने की सलाह दी।

कई व्यावसायिक मिशनों का आयोजन किया

पारेख ने कहा, सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के काम का एक महत्वपूर्ण पहलू सिंगापुर के व्यवसायों, साथी व्यापार संघों और वाणिज्य मंडलों को भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारने में मदद करना है। चैंबर ने भारत के विभिन्न राज्यों में कई व्यावसायिक मिशनों का आयोजन किया है। हमने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) और फेडरेशन ऑफ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) जैसे भारत के प्रमुख व्यापारिक संघों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है।

पिछले दो वर्षों में, एसआईसीसीआई अपने वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन से पहले तमिलनाडु और गुजरात की राज्य सरकारों के लिए संयुक्त रूप से निवेश रोड शो आयोजित करने की तैयारी में रहा है, जिसमें चैंबर ने भाग लिया था।

दुनिया के दिग्गज निवेशक बफे ने भारत में दिखाई दिलचस्पी, कहा- वहां अवसरों की भरमार

वॉशिंगटन ।
दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे आजकल काफी चर्चा में हैं। उनकी कंपनी ने इस तिमाही में जबरदस्त कमाई की है। करीब 92,719 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। इस बीच, बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन भारत को लेकर काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों के साथ सालाना बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में काफी अवसर हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी कंपनी बर्कशायर भारत में अवसरों की तलाश कर रही है। इस पर बफे ने कहा कि भारत में ऐसे अवसर और क्षेत्र हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया है।

भारत के बारे में कही यह बात

वॉरेन बफे ने भारत में निवेश को लेकर भी अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया कि क्या उनकी भविष्य में भारत में भी निवेश करने की संभावना है इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में अवसरों की भरमार है। सवाल यह है कि क्या हमें उन कारोबारों या संपर्कों के बारे में जानकारी मिलने से कोई फायदा है जिससे कुछ ऐसे लेनदेन संभव हो सकें जिनमें भारत के प्रतिभागी विशेष रूप से हमारी भागीदारी चाहते हों।

उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि यह कुछ ऐसा है जिससे कंपनी को और अधिक ऊर्जावान बनाएगा। अब हमें दुनियाभर में जाना जाता है हमारा जापान के साथ भी अनुभव काफी आकर्षक रहा है। इसी तरह भारत में कुछ ऐसे क्षेत्र और अवसर हो सकते हैं, जिनके बारे में जानकारी न हो।

जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट

बफे से जब पूछा गया कि उन्होंने जापान की कंपनियों में जो निवेश किया है, वे उसे अब कैसे देखते हैं इस बारे में बफे ने कहा कि वह जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट हैं। बफे ने पिछले साल जापान की चार कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी। इनमें मारुबेनी, मित्सुई, मित्सुबिशी और सुमितोमो प्रमुख हैं। बफे चीन की कंपनियों में भी निवेश कर चुके हैं। साल 2008 में उन्होंने चीन की ऑटोमोबाइल कंपनी बीवाईडी में निवेश किया था। बफे ने अब इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है।

अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा

भारत में प्रवेश करने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि वहां मौजूद अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि बर्कशायर का नया प्रबंधन भारत में निवेश पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा की देखना होगा कि आने वाले समय में कंपनी कैसा काम करती है। अच्छी बात यह है कि अब इंतजार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। आईएमएफ ने 2024 के लिए भारत के विकास अनुमानों को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया।

मैक्कुलम ने न्यूजीलैंड के क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया, टेस्ट क्रिकेट को सहवाग, अफरीदी, गेल, मैक्कुलम ने बनाया रोमांचक

नई दिल्ली।
टेस्ट क्रिकेट को पेशेंस का खेल कहा जाता हो लेकिन वीरेंद्र सहवाग, शाहिद अफरीदी, क्रिस गेल और ब्रेंडन मैक्कुलम जैसे बल्लेबाजें को इसे रोमांचक बनाने श्रेय जाता है। इन्होंने बोरिंग कहे जाने वाले टेस्ट मैंचों में आतिशी बल्लेबाजी करके रोमांच बनाया और टेस्ट मैचों से दूरी बना रहे लाखों दर्शकों को स्टेडियम में वापस लाने का काम भी इन्हीं बल्लेबाजों ने किया है। चौकों-छक्कों से सजी इनकी पारियां क्रिकेट प्रेमियों के लिए इंटरटेनमेंट का 'फुल डोज' साबित होती थीं। टेस्ट, वनडे और टी20, तीनों ही फॉर्मेट में इन महान बल्लेबाजों ने जबर्दस्त स्ट्राइक रेट से रन बनाए और सामने वाली टीमे गेंदबाजों के लिए खौफ का पर्याय बने। इन चारों बैटरों में मैक्कुलम विकेटकीपर बेस्टमैन की हैसियत से मैच खेले। भले ही वीरेंद्र सहवाग, शाहिदी अफरीदी और क्रिस गेल की तरह लोकप्रियता उन्हें नहीं मिली लेकिन मैक्कुलम ने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से न्यूजीलैंड के क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया। बेज नाम से मशहूर मैक्कुलम ने टेस्ट में 64.60, वनडे में 96.37 और टी20 में 136.21 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। गेंदों के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज शतक मैक्कुलम के नाम पर ही है। क्रिकेट करियर के आखिरी दौर में ज्यादातर बल्लेबाज के प्रदर्शन में गिरावट आने लगती है लेकिन मैक्कुलम आखिरी इंटरनेशनल मैच में भी टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज रन बानो वाले बल्लेबाज बने। फरवरी 2016 में अपने आखिरी टेस्ट में उन्होंने महज 54 गेंदों पर 100 रन ठोके और 56 गेंदों पर शतक के वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विव रिचर्ड्स (1985-86) और पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक (2014-15) के रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया था। मैक्कुलम ने टेस्ट करियर का आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेला था। हालांकि इस टेस्ट में न्यूजीलैंड को 7 विकेट की हार का सामना करना पड़ा लेकिन मैक्कुलम ने सिर ऊंचा रखते हुए शान के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था। मैक्कुलम तीनों फॉर्मेट के क्रिकेट में सफल रहे। 101 टेस्ट में 38.64 के औसत से 6453 रन (12 शतक), 260 वनडे में 30.41 के औसत से 6083 रन (5 शतक) और 71 टी20 में 35.66 के औसत से 2140 रन (2 शतक) उनके नाम दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में 107, वनडे में 200 और टी20 में 91 छक्के उन्होंने लगाए जो गेंजबाज के खिलाफ उनके बेखौफ रवैये को दर्शाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में तो छक्कों के मामले में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स के बाद मैक्कुलम दूसरे नंबर पर हैं। मैक्कुलम 2008 से 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएम का न सिर्फ हिस्सा रहे बल्कि टी20 लीग का पहला शतक उनके ही नाम पर है। आईपीएल के पहले सीजन के पहले ही मैच में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 73 गेंदों पर 10 चौकों और 13 छक्कों की मदद से नाबाद 158 रनों की पारी खेली थी।

न्यूज ब्रीफ

बजरंग की उम्मीदों को लगा तगड़ा झटका, नाडा ने अस्थायी रूप से किया निलंबित

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस कारण बजरंग के पेरिस ओलंपिक में शामिल होने को लेकर तगड़ा झटका लगा है। नाडा के अनुसार, बजरंग ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से मना कर दिया था जिस कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर बजरंग पर से समय रहते निलंबन नहीं हटाया गया तो वह अगले महीने होने वाले चयन ट्रायल सहित किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मालूम हो कि बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अब तक किसी भी भारतीय ने 65 किग्रा वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। सुजीत कलकल नौ मई से इस्तांबुल में होने वाले विश्व क्वालीफायर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नाडा ने बजरंग से सैंपल देने कहा था बजरंग ने सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान अपने यूरीन का सैंपल देने से इनकार कर दिया था जिसके बाद नाडा ने उनसे सैंपल देने के लिए कहा था। नाडा ने इस बारे में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) को सूचित किया जिसके बाद वाडा ने नाडा को सुझाव दिया कि वे बजरंग को नोटिस भेजकर जवाब मांगे कि उन्होंने टेस्ट से इनकार क्यों किया। नाडा ने 23 अप्रैल को बजरंग को नोटिस जारी कर सात मई तक जवाब देने कहा है। बजरंग को पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर्स के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में हार का सामना करना पड़ा था। बजरंग ने किट के एक्सपायर होने का आरोप लगाया था बजरंग ने कुछ महीने पहले एक वीडियो जारी कर डोप कलेक्शन किट के एक्पायर होने का आरोप लगाया था। नाडा ने बयान में कहा, बजरंग को मामले की सुनवाई के दौरान अंतिम निर्णय लेने से पहले किसी प्रतियोगिता या ट्रायल में भाग लेने से अस्थायी रूप से निलंबित किया जाता है।

फिंच और स्मिथ बोले , हताश दिखे मुम्बई के कप्तान पंड्या

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच ने कहा है कि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान

हार्दिक पंड्या थके हुए और नराश नजर आये। टूर्नामेंट में उनके चेहरे पर उदासी का भाव दिखा। इसके साथ ही उन्हें इस सत्र में हूटिंग का भी सामना करना पड़ा जिससे भी उनका मनोबल गिरा है। फिंच के अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का भी यही मानना है। फिंच के अनुसार कप्तान के दबाव में होने के कारण टीम भी संघर्ष करती दिखी। टीम को यहां अपने घरेलू मैदान पर भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। फिंच ने कहा, ' पंड्या इस सत्र में काफी निराश और थे हुए दिखे। ऐसा लग रहा था जैसे वह काफी दबाव में हों। साथ ही कहा कि मैंने भी इस प्रकार के हालातों का सामना किया है। इन हालातों में आप निजी तौर पर कुछ भी कोशिश करो पर लाभ नहीं होता। साथ कहा कि जब टीम अच्छा नहीं कर रही होती तो ऐसी स्थिति में रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आप पर टीम के प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी होती है।

चहल, जडेजा, अश्विन, मिश्रा की गेंदों पर पड़े सबसे ज्यादा छक्के, आईपीएल लीग के 17वें सीजन में बल्लेबाजों का दबदबा

नई दिल्ली। भारत में आईपीएल प्रीमियम लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग का 17वां सीजन अभी खेला जा रहा है। इस आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा ज्यादा है। पिच भी वैसी होती है जहां आसानी से छक्के चौके लग जाते हैं। गेंदबाज मैच के दौरान बैकफुट पर ही रहते हैं। बल्लेबाज जब चाहता है छक्के लगा देता है। इस आईपीएल में ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंदों पर सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। युजवेंद्र चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अब छक्का के मामले में भी वह जल्द ही टॉप पर पहुंच सकते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अपने आईपीएल करियर के आधे से ज्यादा मैच खेलने वाले चहल की 3401 गेंदों पर 213 छक्के लगे हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के रविंद्र जडेजा जिन्होंने आईपीएल लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 2008 में डेब्यू किया था। जडेजा लीग के सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। लेकिन इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के बाएं हाथ के गेंदबाज रविंद्र जडेजा के नाम ही है। उनकी 3751 गेंदों पर 201 छक्के लगे हैं। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। टेस्ट में उनके नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा है। अभी तक इस आईपीएल लीग में उन्होंने 4404 गेंदें फेंकी हैं और इसपर 196 छक्के लगाए गए हैं। वहीं बात करें अमित मिश्रा की तो एक समय वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का शेड्यूल घोषित

6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, इंडिया और पाक एक ग्रुप में ; भारत-पाक मैच 6 अक्टूबर को

नई दिल्ली।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस साल बांग्लादेश में 3 से 20 अक्टूबर तक होने वाली विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। इस वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी। 18 दिनों में 23 मैच आयोजित किए जाएंगे। ढाका में हुए एक कार्यक्रम में विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का शेड्यूल को जारी किया गया। इस अवसर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन, आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस, भारतीय टीम की कप्तान हरमप्रीत कौर और बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने हिस्सा लिया। भारत ग्रुप ए में 6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ है। इसके अलावा इस ग्रुप में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और क्वालिफायर से आई एक टीम शामिल है। वहीं मेजबान बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और क्वालिफायर-2 टीम ग्रुप बी में है। इस ग्रुप के सभी मैच ढाका में खेले जाएंगे।

भारत-पाक के बीच मैच 6 अक्टूबर को होगी भिड़ंत - भारतीय टीम वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। वहीं 6 अक्टूबर को पाकिस्तान के साथ भिड़ेगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को ही क्वालिफायर-1 टीम के खिलाफ करेगी।

दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें पहुंचेगी सेमीफाइनल में - सेमीफाइनल में दोनों ग्रुप की टॉप दो टीमें पहुंचेगी। पहला सेमीफाइनल 17 अक्टूबर को सिलहट में और दूसरा सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को ढाका में खेला जाएगा। वहीं 20 अक्टूबर को फाइनल ढाका में ही खेल जाएगा।

क्वालिफायर-1 और 2 का फैसला 7 मई को - वहीं वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफायर-1 और क्वालिफायर-2 का फैसला 7 मई को आईसीसी विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर के होने वाले फाइनल से होगा।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं टी20 विश्व कप में....कप्तानों को तैयार रहना होगा : मिशेल स्टार्क

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले माह टी20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है। इस पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं। मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी20 मैच में 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं। टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है। इससे टीम के पास आठवें या नौवें क्रम तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी मौजूद रहते है। मुंबई के खिलाफ चार विकेट लेने वाले स्टार्क ने कहा कि टी20 विश्व कप में ये नियम नहीं होगा, जिससे इसका असर स्कोर पर दिखेगा। उन्होंने कहा, 'आईपीएल में कुछ बड़े स्कोर, कुछ शानदार साझेदारियां और बल्ले से कुछ व्यक्तिगत प्रतिभाएं देखने को मिलीं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में ऐसा कोई नियम नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'आपको किसी अतिरिक्त खिलाड़ी के बिना टीम का संतुलन बनाना होगा।

हालैंड ने हैट्रिक सहित चार गोल दागे, मैन सिटी ने शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल से फासला घटाया

नई दिल्ली।
एर्लिंग हालैंड ने सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक सहित चार गोल दागे और मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स पर 5-1 से निर्णायक जीत दिलाई, जो प्रीमियर लीग शिखर से एक अंक के करीब पहुंच गए हैं। नॉर्वेजियन अपने अजेय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर था क्योंकि उसने आधे समय की सीटी बजने से पहले दो पेनल्टी और एक अविश्वसनीय हैडर को गोल में बदलकर नौवीं सिटी हैट्रिक हासिल की।

मैनचेस्टर सिटी वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, वॉल्व्स के फारवर्ड ह्वांग ही-चान के गोल करने के कुछ ही क्षण बाद उन्होंने दूसरे पीरियड में आठ मिनट बाद चौथा गोल दागकर सिटी की तीन गोल की बढ़त बहाल कर दी। देर से स्थानापन्न हुए जूलियन अल्वारेज़ - ने सिटी में अपना 100वां प्रदर्शन किया - समापन चरण में पांचवां गोल कर स्कोरलाइन में और चमक ला दी। पेप गार्डियोला की टीम अब बिना हार के 20 लीग मैच खेल चुकी है और शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल के हाथों में एक गेम के साथ, रिकॉर्ड लगातार चौथे शीर्ष-खिताब से केवल तीन जीत दूर हैं। इससे पहले आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में एएफसी बोर्नमाउथ पर 3-0 से व्यापक जीत दर्ज की। मिकेल अर्टेटा की टीम अस्थायी रूप से शीर्ष पर चार अंक आगे बढ़ गई, लेकिन मैन सिटी ने बाद में दिन में वॉल्व्स को 5-1 से हराकर अंतर को एक अंक पर वापस कर दिया और एक मैच हाथ में है। पहले हाफ में दबदबा बनाने के बाद, आर्सेनल ने 44 मिनट में गतिरोध तोड़ दिया जब मार्क ट्रैवर्स द्वारा काई हैवर्ट को गिराने के बाद बुकायो साका ने पेनल्टी स्पॉट के माध्यम से अभियान का अपना 20 वां गोल किया। ब्रेक के बाद, लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने गनर्स को मजबूती से नियंत्रण में लाने के लिए बढ़त को दोगुना कर दिया। वीआआर को पूरे समय व्यस्त रखा गया और डेक्लान राइस द्वारा लगातार चौथी जीत हासिल करने के लिए देर से तीसरा प्रयास करने से पहले एंटोनी सेमेन्यो और गेब्रियल के आगे के प्रयासों को रोक दिया गया।

महिला हॉकी लीग में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को हराया

नई दिल्ली।
राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 (चरण 1) में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को हराया। हरियाणा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में बंगाल को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हरा दिया।

दिन के शुरुआती मैच में, बंगाल की टीम कुछ ही समय में बढ़त हासिल करने में सफल रही और सिलबिया नाग (दूसरे मिनट) ने खेल की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो (19वें) ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। हरियाणा की कप्तान नीलम (20वें) ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जिससे घाटा कम हुआ क्योंकि मध्यांतर तक बंगाल 2-1 से आगे था। नंदनी (41वें) ने हरियाणा के लिए एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया, इससे पहले शशि खासा (43वें) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर हरियाणा को बढ़त दिलाने में मदद की। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में पिंकी (46वें मिनट) ने फील्ड गोल करके हरियाणा को 4-2 की बढ़त दिला दी। शांति होरो (51वें मिनट) ने बंगाल के लिए फील्ड गोल करके वापसी की संभावना पैदा की, लेकिन हरियाणा ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए विजेता बना। दिन के दूसरे मुकाबले में मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराया। पहला हाफ बिना किसी गोल के शांत रहने के बाद, मध्य प्रदेश ने तीसरे क्वार्टर में आंचल साहू (45वें) के फील्ड गोल से गतिरोध को तोड़ते हुए बढ़त बना ली। महाराष्ट्र की कप्तान अश्विनी कोलेकर (50वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में सिर्फ पांच मिनट से कम समय में फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, स्वाति (54वें मिनट) ने मैदानी गोल करके मध्य प्रदेश को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद, मध्य प्रदेश ने अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखने के लिए कड़ा बचाव खेल खेला। बाद में मिजोरम का मुकाबला मणिपुर से होगा, जबकि झारखंड का मुकाबला ओडिशा से होगा।

भारतीय बॉक्सिंग के लिए ऐतिहासिक दिन,-22 एशियाई यूथ बॉक्सिंग में 43 मेडल पक्के हुए

नई दिल्ली।
आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंडर-22 पुरुषों के फाइनल में पहुंच गए। इसी के साथ भारतीय मुक्केबाजों ने सभी श्रेणियों में 43 पदक पक्के कर लिए हैं। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश ने 60 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा कायम रखते हुए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के इलियासोव सयात को 5-0 से हराया। मुकाबले की समीक्षा के बाद मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने फिलीपींस के बारिकुआत्रो ब्रायन के खिलाफ 5-2 से जीत दर्ज की। अन्य दो सेमीफाइनलिस्ट, निखिल (57 किग्रा) और प्रीत (67 किग्रा) ने भी क्रमशः मंगोलिया के दोर्जन्याम्बु गनबोल्ड और किर्गिस्तान के अल्माज़ ओरोजबेकोव के खिलाफ समीक्षा के बाद समान 5-2 स्कोर के साथ अपने मुकाबले जीते। इस बीच, एम जदुमणि सिंह (51 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा), ध्रुव सिंह (80 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) और युवराज (92 किग्रा) के लिए यह निराशाजनक था क्योंकि उन्होंने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। अंडर-22 सेमीफाइनल में उनकी हार। ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई कर चुकी प्रीति (54 किग्रा) सहित नौ महिला मुक्केबाज अंडर-22 सेमीफाइनल में भाग लेंगी। अंडर-22 का फाइनल मंगलवार को खेला जाएगा। शुक्रवार रात खेले गए युवा महिला सेमी में मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन निशा (52 किग्रा) और एशियाई युवा चैंपियन निकिता चंद (60 किग्रा) के साथ पांच अन्य मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश किया। युवा वर्ग में लक्ष्य राठी (92 किग्रा), अन्नू (48 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा), पार्थवी ग्रेवाल (66 किग्रा), आकांशा फलसवाल (70 किग्रा) और निर्झरा बाना (+81 किग्रा) को हार का सामना करना पड़ा और उन्होंने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यूथ फाइनल में अब 14 भारतीय मुक्केबाज होंगे जिनमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में सात-सात स्वर्ण के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यूथ वर्ग का फाइनल खेला जाएगा। भारतीय मुक्केबाजों ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 43 पदक हासिल किए हैं, जिसमें चीन, भारत, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों सहित 24 से अधिक देशों के 390 से अधिक मुक्केबाजों की उपस्थिति के साथ हाई-वोल्टेज प्रतियोगिता देखी जा रही है।

सिराज का 'कभी न हार मानने वाला रवैया' उनकी असली ताकत है : सुनील गावस्कर

बेंगलुरु।
भारतीय बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत में मोहम्मद सिराज के योगदान के बारे में चर्चा में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के आत्मविश्वास को कभी न हार मानने वाला रवैया बताया और कहा कि मैदान पर उनका यही रवैया एक खिलाड़ी के रूप में उनकी असली ताकत है।

जीटी के खिलाफ मैच में, सिराज ने पावरप्ले के दौरान गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे रिद्धिमान साहा आउट हो गए। उन्होंने आगे चलकर शुभमन गिल को एक शॉट खेलने के लिए ललचाया जिसके परिणामस्वरूप लीडिंग एज से डीप पॉइंट पर कैच हो गए।

सिराज का प्रभावशाली प्रदर्शन 2-29 के आंकड़े के साथ समाप्त हुआ, जिससे उन्हें आरसीबी की चार विकेट की जीत के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

हर बार जब आप मोहम्मद सिराज को देखते हैं, तो आप जानते हैं कि वह अपना दिल दे देंगे। उस समय को याद करें जब उनके पिता का निधन हो गया था जब वह ऑस्ट्रेलिया में थे। वह आगे बढ़े। बहुत से लोग वापस जाना चाहेंगे क्योंकि आपके माता-पिता हैं । गाव स्कर ने कहा,
आप बहुत प्रिय हैं। उन्होंने आपका पालन-पोषण किया है और उन्होंने आपको सब कुछ दिया है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें एहसास हुआ कि भारत के लिए खेलना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, वह उस स्तर पर स्थापित नहीं था। एक स्थापित खिलाड़ी 100 फ़ीसदी वापस चला गया होता। जब आप स्थापित नहीं होते हैं, और आप टीम में अपनी जगह पाने की कोशिश कर रहे हैं, तो आप वहीं टिके रहते हैं। और यही उन्होंने किया। उन्होंने कहा, और याद रखें कि गाबा टेस्ट मैच में उन्होंने कितनी शानदार गेंदबाजी की थी। स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी को तब आउट करना जब वह 55 रन पर थे, क्योंकि स्टीव स्मिथ को तब आउट करना जब वह बल्लेबाजी करने आ रहे हों, एक बात है, लेकिन जब वह सेट हो जाएं और फिर उन्हें आउट करना है एक और बात। तो, यह मोहम्मद सिराज की असली ताकत है, आत्म-विश्वास और मैदान पर कभी न हार मानने वाला रवैया। तेज गेंदबाजों के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद जीटी को 147 रन के स्कोर पर आउट करने के बाद, विराट कोहली (42), फाफ डु प्लेसिस (64) ने आरसीबी को केवल 35 गेंदों में 92 रन की शुरुआती साझेदारी के साथ धमाकेदार शुरुआत दी। हालाँकि रन-चेज़ के दौरान कुछ घबराहट हुई, लेकिन आरसीबी सहज थी क्योंकि उन्होंने 6.2 ओवर शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर पॉल कॉलिंगवुड ने कल रात आरसीबी के प्रदर्शन पर चर्चा की, विशेष रूप से विराट कोहली के योगदान पर प्रकाश डाला, मेरा मानना है कि प्रदर्शन उतना प्रभावशाली था जितना कि कोई भी आरसीबी प्रशंसक उम्मीद कर सकता था। आरसीबी ने गेंद के साथ जो तीव्रता दिखाई, वह सराहनीय थी। मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भी कुल मिलाकर, विराट कोहली को अपनी क्रीज से बाहर निकलते हुए और आसानी से दूसरी गेंद पर छह रन के लिए फ्लिक करते हुए देखना उनके आक्रामक इरादे का संकेत देता है।

रोज दौड़ लगाइए अच्छी सेहत पाइए

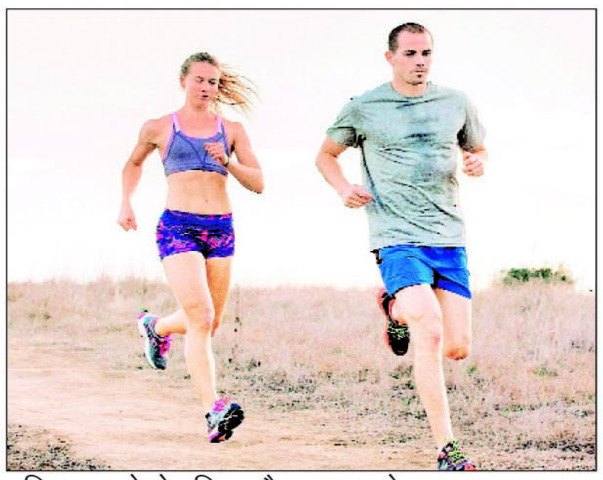

फिट रहने के लिए दौड़ना सबसे अच्छा व्यायाम है, अन्य व्यायाम की तुलना में दौड़ने के लिए किसी खास तकनीक की भी आवश्यकता नहीं होती। इससे ना केवल वजन नियंत्रित होता है बल्कि आप पर उम्र का असर भी देर से दिखाई देता है। आज की आरामतलब जीवनशैली में लोगों के पास व्यायाम के लिए समय नहीं। दौड़ने से ना केवल मांस पेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर भी फिट रहता है।

दौड़ने के फायदे

तनावमुक्ति का साधनः तनाव को हम आधुनिक जीवनशैली से अलग नहीं कर सकते। शायद आपने पहले भी तनावमुक्ति के कई साधन अपनाये हों। इस बार प्रतिदिन कुछ देर तक दौड़ कर देखें। दौड़ना मानसिक रूप से आपको काफी राहत पहुंचाने का काम करता है।

स्वस्थ त्वचा चाहिएः दौड़ने से शरीर में रक्त संचार ठीक प्रकार से होता है और झुर्रियां देर से पड़ती हैं। वर्क आउट से तनाव कम होता है और आपकी त्वचा में भी चमक आती है।

प्रतिरोधी क्षमताः नियमित रूप से दौड़ लगाने वालों को एलर्जी, ठंड और खांसी जैसी सामान्य बीमारियां कम होती हैं। नियमित रूप से दौड़ लगाने से हमारा इम्यून सिस्टम बेहतर होता है, जिससे हम कई संभावित बीमारियों के खतरे से बचे रहते हैं।

वजन घटायेः अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो दौड़ने से अच्छा और कुछ नहीं। दौड़ना एक बहुत अच्छा व्यायाम है, क्योंकि इससे काफी कैलोरी बर्न होती है। लेकिन, चोट से बचने के लिए जरूरी है कि आप धीरे-धीरे दौड़ना शुरू करें।

हड़ियां बनाये मजबूतः नियमित रूप से दौड़ लगाने से हड़िडयों और मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। इससे हड़िडयों संबंधित बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस और अर्थराइटिस होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही दौड़ने से टांगों और कूल्हों की हड़िडयों का घनत्व भी बढ़ता है।

दिल बनाये मजबूतः दौड़ने से हमारे शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है, इससे हमारे दिल की सेहत पर अच्छा असर पड़ता है। इसके साथ ही दौड़ने से रक्तचाप भी कम होता है जिससे हृदय संबंधी कई रोग होने का संभावित खतरा भी कम हो जाता है।

ऊर्जा बढ़ायेः सुबह उठते ही आपको थकान होने लगती है। ऐसा लगता है कि जैसे आपके शरीर में बिलकुल भी ऊर्जा नहीं है। तो, आपको दौड़ने को अपने रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप दिन भर अधिक क्षमता से काम कर पाएंगे।

हाजमा सुधारेः दौड़ लगाने से हमारी पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे हमारा हाजमा सही रहता है। दौड़ लगाने से आपकी कैलोरी बर्न होती है, जिससे आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि आप इस दौरान हैल्थी स्नैक्स का सेवन करें।

दौड़ना सभी उम्र के लोगों के लिए अच्छा व्यायाम है, तो क्यों ना चिर-युवा दिखने के लिए इस आसान व्यायाम को अपनायें। अगर आपको पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो एक बार चिकित्सक से संपर्क ज़रूर कर लें।

अस्थमा के लिए घरेलू उपचार

इसमें सांस का फूलना,सांस लेने में परेशानी या फिर संक्रमण होना है। इस रोग के लिए आप दवाइयों के अलावा घरेलु नुस्खा अपना कर इससे राहत पा सकते हैं। जिससे आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। **सामग्री**-1 स्पून अदरक का रस,1 स्पून शहद, 1 स्पून अनार का जूस, **इस्तेमाल का तरीका** : एक बाऊल में अदरक,शहद और अनार का जूस मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। इस मिक्सचर का टीस्पून दिन में 2 बार सेवन से करें।

वजन कम करेगा कैस्टर ऑयल...

ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ लगाना बढ़ते वजन को कम करने का सबसे अच्छा जरिया है, पर यदि इसका उपयोग करने से कोई परेशानी हो रही हो तो इसका उपयोग बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ट्रेडमिल पर चलने से कभी-कभी थकान के साथ ही कमर दर्द की समस्या भी होने लगती है। इसका उपचार कराने के बाद भी यह ठीक नहीं हो पाती, पर इस बात से घबराने की आवश्यकता नहीं है। इस समस्या को दूर करने का सबसे अच्छा उपचार है कैस्टर ऑयल यानी अरंडी का तेल। यह तेल न केवल दर्द को कम करने में मदद करता है बल्कि बढ़ते वजन को कम करने में भी अहम भूमिका निभाता है। कैस्टर ऑयल वजन घटाने के लिए एक कारगर उपाय है, तो जानें वजन को कम करने में किस प्रकार से सहायक होता है कैस्टर ऑयल।

खान-पान में सुधार

यदि कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल केवल वजन को घटाने के लिए करना चाहते है तो आपको बता दें कि वजन को नियंत्रित करने के लिए अपनी जीवन शैली के साथ ही अपने खान-पान में भी सुधार लाना होगा। क्योंकि शरीर के अंदर की मजबूती के लिए उचित खान-पान का होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही अरंडी का तेल इस्तेमाल करेंगी तो यह आपके फैट को कम करने में सहायक साबित होगा।

निश्चित खुराक

अरंडी के तेल का उपयोग करने के कई तरीके हैं। इसका उपयोग सेवन करके या इसे शरीर में लगाकर, दोनों ही तरीकों से कर सकते हैं, पर इसका उपयोग करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि ज्यादा मात्रा में इस तेल का उपयोग करना शरीर के लिए नुकसान दायक भी हो सकता है। इसलिए इसकी एक निश्चित खुराक को ही लेना जरूरी है।

कैसे करें सेवन

यदि आप सुबह का नाश्ता लेने जा रहे हों तो उस दौरान आप 2-3 चम्मच अरंडी के तेल यानी कैस्टर ऑयल को भी ले सकते हैं। यह आपके शरीर को तरोताजा बनाए रखने के साथ ही भूख को भी कम करता है। यह आपकी पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर कब्जियत की समस्या को दूर करने में भी मदद करता है। इसका उपयोग करने से एक सप्ताह के अंदर ही इसके सही परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

त्वचा में उपयोग

शरीर में जमे फैट्स को कम करने के लिए कैस्टर ऑयल सबसे अच्छा उपचार है, इसका उपयोग करने के लिए आप एक चम्मच अरंडी के तेल को गर्म करके अपने पेट की मालिश करें। पेट पर मालिश करने से उस क्षेत्र का जमा

फैट कम होने लगेगा। इसके साथ ही त्वचा में पड़ने वाले खिंचाव के निशान और लटकती त्वचा को रोकने के लिए भी आप इस तेल का उपयोग कर सकते है। कैस्टर ऑयल पेट की त्वचा में कसाव लाने के साथ गर्भावस्था के दौरान पेट में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स को भी दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

अतिरिक्त फायदे

कैस्टर ऑयल का उपयोग शरीर के वजन को घटाने के अलावा और भी कई समस्याओं के निदान के लिए किया जा सकता है। अरंडी के तेल का सेवन एक सप्ताह निरंतर करने से ही यह पेट की सफाई कर शरीर के अंदर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है और यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

बीमारियों से बचाव

कैस्टर ऑयल का उपयोग करने से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, जिससे हमें बाहरी संक्रमण से लड़ने की ताकत मिलती है। इससे हमारा शरीर कई तरह की बीमारियों से लड़ने में सक्षम हो जाता है। यह बाहरी संक्रमण से त्वचा एवं शरीर की रक्षा करता है। कैस्टर ऑयल हमें प्रकृति से मिला एक ऐसा औषधिय वरदान है जो हमें कई रोगों से छुटकारा दिलाता है, पर इसका उपयोग करने से पहले आप एक बार अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें जिससे आपको किसी भी प्रकार की एलर्जी न हो।

ऑफिस में रहते हुए भी कर सकते हैं योग

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि ऑफिस में बैठे-बैठे आपकी पीठ अकड़ जाती है? क्या कुर्सी पर बैठे-बैठे आपके पैर भी सुन्न हो जाते हैं? क्या कुछ घंटे काम करने के बाद आपको भी सुस्ती लगने लगती है? अगर आप भी आठ से दस घंटे ऑफिस की कुर्सी पर बैठकर बिताते हैं तो आपके लिए ये योगासन बहुत फायदेमंद रहेंगे।

ये कुछ ऐसे आसन हैं जिन्हें आप अपनी सीट पर बैठे-बैठे कर सकते हैं। इसके लिए आपको बहुत ज्यादा जगह की जरूरत नहीं। इन आसनों को करने से कुछ ही दिनों में आपको नियमित रूप से होने वाली बहुत सी समस्याओं से आराम मिल जाएगा।

ऑफिस में कर सकते हैं ये योगासन -

» ऑफिस में 7-8 घंटे की ड्यूटी के दौरान 2 बार गर्दन, कंधों, कुहनियों, हाथों, कमर, घुटनों, पैरों, पंजों आदि की सूक्ष्म क्रियाएं कर लें। इन्हें दाएं से बाएं और बाएं से दाएं घुमाएं।

» अपनी सीट पर ही खड़े होकर ताड़ासन करें।

» जब भी थकान लगे, अपनी सीट पर ही आंखें बंद करें और लंबी-गहरी सांस लें और छोड़ें। 2-3 मिनट में भी मन शांत हो जाएगा।

धोने से पहले अपनाएं ये तरीके, कपड़े रहेंगे एक दम नए

गर्मी के मौसम में पसीने की वजह से गहरे रंग के कपड़ों को भी रोजाना धोना पड़ता है। वैसे तो सभी महिलाएं कपड़ों के लिए बढ़िया डिट्रजैंट का ही इस्तेमाल करती हैं लेकिन फिर भी कई बार हल्के रंग के कपड़े अच्छी तरह साफ नहीं हो पाते और कई बार तो बार-बार धोने की वजह से कपड़े पुराने लगने लगते हैं। ऐसे में उनकी चमक बनाए रखने के लिए डिट्रजैंट के साथ कुछ ऐसी चीजों का भी इस्तेमाल करना चाहिए जिससे कपड़ों की खूबसूरती बरकरार रहे।

1. नमकः जींस या गहरे रंग के कपड़ों को धोने के लिए उन्हें नमक के पानी में 1 घंटे तक भिगो कर रखें और इसके बाद डिट्रजैंट से साफ करें। इससे जींस जैसे भारी कपड़े आसानी से साफ होंगे और उनका रंग भी नहीं निकलेगा।

2. काली मिर्च : कई बार मशीन में कपड़े धोते समय गहरे रंग के कपड़े अपना रंग छोड़ देते हैं जिससे दूसरे कपड़े खराब हो जाते हैं। ऐसे में मशीन में डिट्रजैंट के साथ 2 चम्मच काली मिर्च भी डालें।

3. सेंधा नमक : कॉटन के कपड़ों को जब पहली बार धोया जाए तो उनमें से रंग निकलता है और फेड होने की वजह से वे जल्दी पुराने लगने लगते हैं। ऐसे में उन्हें धोने से पहले पानी में सेंधा नमक और सोडा मिलाकर कुछ देर के लिए भिगो दें और उसके बाद इन्हें साफ करें।

4. अमोनिया और बेकिंग सोडा : सफेद कपड़ों को हमेशा नया बनाए रखने के लिए पानी में थोड़ा-सा अमोनिया, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका मिलाएं और 15 मिनट के लिए कपड़ों को भिगोकर रख दें। इसके बाद इन्हें डिट्रजैंट से साफ करें।

5. नींबू : हल्के रंग के कपड़ों पर अक्सर पसीने के दाग रह जाते हैं जो धोने के बाद भी नहीं जाते। ऐसे में उन्हें धोने से पहले दाग पर नींबू का रस लगाएं।

6. सिरका : कपड़ों को हमेशा के लिए नया बनाए रखने के लिए उन्हें हर बार धोने से पहले सिरके और नींबू वाले पानी में भिगोएं। इसके बाद डिट्रजैंट से साफ करें।

...ताकि आपका बच्चा खुशी से जाए स्कूल

गर्मियों की छुट्टियां खत्म ही होने वाली हैं। जाहिर है, बच्चों को फिर से स्कूल जाने के लिए तैयार करना होगा। अब इतने दिन मौज-मस्ती करने के बाद बच्चों का स्कूल जाने का मन शायद ही करें। ऐसे में, आपके लिए उन्हें स्कूल के लिए तैयार करने का टास्क टफ हो जाता है। लेकिन आप थोड़ी सी होशियारी दिखाकर बच्चों को बढ़िया से स्कूल अटैंड करने के लिए तैयार कर सकती हैं।

» स्कूल के लिए बच्चे के अंदर एक्साइटमेंट पैदा करने की कोशिश करें। आप उसे इनकरेज कर सकती हैं। उसे समझाएं कि स्कूल में फिर से वह क्ले मेकिंग से कुछ क्रिएटिव कर पाएगा या फिर कुछ फन गेम्स इंजॉय करेगा। सिंगिंग और डांसिंग जैसी ऐक्टिविटीज के बारे में उससे डिस्कस करें।

» आप उसे स्कूल की अच्छी कहानियां भी बता सकती हैं। छुट्टियों से पहले उसे स्कूल में क्या-क्या अच्छा लगा था। वह सब याद दिलाएं। एक प्राइवेट स्कूल से जुड़ी कॉर्डिनेटर रचना का कहना है कि उन्हें वहां की अच्छी बातों के बारे में बताएं। ईटिंग, प्ले और फन के बारे में बच्चों को बताएंगे, तो वे एक्साइटेड फील करेंगे।

» बच्चे से स्कूल में बने उसके फ्रेंड्स के बारे में बात करें। हालांकि, वह छुट्टियों में भी अपने फ्रेंड्स के कॉन्टेक्ट में रहा होगा, लेकिन कुछ ऐसे भी होंगे जिससे उनकी बात नहीं हुई होगी। उसे बताएं कि वह दोबारा उनकी कंपनी एंजॉय कर पाएगा।

» स्कूल जाने से पहले ही आप उसके साथ क्वॉलिटी टाइम बिताना शुरू कर दें। अगर उसे कहीं घूमाना हो या कुछ खास खाने का मन हो, तो उसे जरूर बनाकर खिलाएं। उसे लगेगा कि आपने अपना प्रॉमिस पूरा किया और वह आपकी बात मान पाएगा।

» उसे स्कूल एटिकेट्स के बारे में एक बार फिर से समझा सकती हैं। वहीं, उसकी स्कूल से रिलेटेड सभी चीजों को पहले से मैनेज कर लें। अगर स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स, वॉटर बॉटल या लंच बॉक्स जैसी चीजों की रिक्वायरमेंट हो, तो पहले ही रेडी कर लें।

इन आसान तरीकों से बचाएं पैसे

क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है कि आपको पैसे को सही ढंग से मैनेज करना नहीं आता तो सबसे पहले सारी जानकारी जुटाएं और भविष्य के लिए बेहतर प्लैनिंग करें। तभी आप अपने कमाए हुए पैसे का सही उपयोग भी कर पाएंगी और बचत भी। इसके लिए अपनाएं कुछ टिप्स-

1. जानकारी जुटाएं

जब आप पैसा कमाना शुरू करें तभी से हर तरह की जानकारियां जुटाना शुरू कर दें कि आप अपने पैसे को कहां इन्वेस्ट कर सकती हैं। पैसे को कहीं भी निवेश करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करना बहुत जरूरी है।

2. बेस्ट ऑप्शन का पता लगाएं

जब एक बार आपने यह तय कर लिया कि आपको अपना पैसा कहां निवेश करना है तो अब व्यवस्थित और क्रम अनुसार निवेश शुरू करें। किसी एक स्कीम में पूरा पैसा निवेश करने से बेहतर है कि आप अपनी सेविंग्स को अलग-अलग जगहों पर लगाएं।

3. लाइफ की सही प्लैनिंग करें

सबसे पहले जीवन में अपने लक्ष्य और प्राथमिकताओं को तय करें। अगर आप रिटायरमेंट के बाद के जीवन के लिए बचत करना चाहते हैं तो अभी से अपने खर्चों पर संयम रखें और भोग विलासिता की चीजों पर नियंत्रण रखें।

रेसिपी

गाठिया

सामग्री

200 ग्राम बेसन
1 टीस्पून नमक
1 टीस्पून काली मिर्च
1 टीस्पून अजवाइन
1/4 टीस्पून बेकिंग सोडा
120 मि.ली तेल
पानी
तेल तलने के लिए

विधि

एक बाउल में 200 ग्राम बेसन, 1 स्पून नमक, 1 स्पून काली मिर्च, 1 स्पून अजवाइन और 1/4 स्पून बेकिंग सोडा डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें 120 मि.ली तेल डालें और अच्छे से मिला लें। अब इसमें पानी डालें और आटा तैयार कर लें। कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। अब सेव मेकर लें और एक बड़ी होल्स डिस्क को इसमें फीट कर दें। सेव मेकर में थोड़ा सा तेल डालें। अब थोड़ा सा तैयार किया हुआ आटा लें और सेव मेकर में डालें। एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें। अब गर्म तेल के ऊपर धीरे-धीरे सेव मेकर को दबाएं।इसे गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इसे एक पेपर में रखें और ठंडा होने दें। बाद में टुकड़ों में काट लें और डिब्बे में डाल लें।

गोभी सोया कोरमा

सामग्री

80 ग्राम सोया, गर्म पानी, 1 स्पून तेल, 150 ग्राम फूलगोभी , 1 स्पून तेल, 4 लौंग, 2 इलायची, 1/2 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 1 तेज पत्ता, 70 ग्राम प्याज, 1 स्पून लहसुन, 170 ग्राम टमाटर, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक, - 1 स्पून धनिया पाऊडर, 1/2 स्पून जीरा पाऊडर, 1/2 स्पून हल्दी, 1 स्पून लाल मिर्च, 1/2 स्पून नमक, 125 मि.ली पानी, 1/4 टीस्पून गरम मसाला

विधि

गर्म पानी में सोया को भिगोकर 10-15 मिनट के लिए रख दें।एक पैन में 1 टेबलस्पूव तेल डालक गर्म करें। अब इसमें फूलगोभी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकाएं। बाद में इस एक साइड रख दें। अब एक कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल डालकर लौंग, इलायची, दालचीनी का टुकड़ा, तेज पत्ता और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज ब्राउन होने पर इसमें लहसुन और टमाटर डाल कर मिक्स करें।अब इसमें हरीमिर्च, अदरक, धनिया पाऊडर, जीरा पाऊडर, हल्दी, लालमिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें 125 मि.ली पानी डालें और उबलने दें। अब इसमें सोया डाल कर अच्छे से मिक्स करें और 10-15 मिनट के लिए पकाएं। तैयार मिश्रण में फूलगोभी और गरम मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसे 5-6 मिनट पकाएं। गोभी सोया कोरमा तैयार है। इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**